ज्ञान • विज्ञान • संस्कार • नवाचार • कौशल

विद्यार्थी दर्पण

खंड - 1 | अंक - 2
संस्करण:
जुलाई - सितम्बर, 2026

ज्ञान से प्रेरणा, प्रेरणा से परिवर्तन

विशेषांक 2026

ज्ञान, विज्ञान और भविष्य की झलक

गोपालगंज विशेष

- इतिहास, संस्कृति और धरोहर
- प्रेरणादायक व्यक्तित्व
- विकास की नई उड़ान
- हमारा जिला, हमारी पहचान

स्पोर्ट्स स्पेशल

- खेल जगत की बड़ी खबरें
- उभरते सितारे
- फिटनेस और हेल्थ टिप्स
- जिले की खेल उपलब्धियां

- नई बैज्ञानिक उपलब्धियां
- पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा
- किताबें और कहानियां
- कौशल, करियर और जीवन मूल्य

सीखें आज, सशक्त बनें कल

साथ ही इस अंक में

कक्षा 6-12 के लिए

करियर मार्गदर्शन | प्रतियोगी परीक्षा अपडेट | सरकारी योजनाएँ | जनरल नॉलेज और क्विज | प्रेरक व्यक्तित्व और इंटरव्यू

पढ़ें • सोचें • समझें • सीखें • आगे बढ़ें | अपने सपनों को दें नई उड़ान

हमें फॉलो करें:

विद्यार्थी दर्पण

अस्वरीकरण /कॉपीराइट सूचना

विद्यार्थी दर्पण एक त्रैमासिक ई-शैक्षिक पत्रिका है, जिसका प्रकाशन जिला शिक्षा विभाग ,गोपालगंज और टीचर्स ऑफ़ बिहार (Teachers of Bihar) द्वारा किया गया है।

इस पत्रिका का उद्देश्य छात्रों को जागरूक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बनाने का प्रयास करना है।

"विद्यार्थी दर्पण" त्रैमासिक पत्रिका है, जिसे बिहार के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित किया गया है।

इस पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेख, चित्र ,डिज़ाइन एवं सामग्री के सर्वाधिकार संबंधित लेखक एवं प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं। जिला शिक्षा विभाग ,गोपालगंज और टीचर्स ऑफ़ बिहार की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पत्रिका के किसी भी भाग को किसी भी रूप में —जैसे इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य माध्यम से—पुनः प्रकाशित, संग्रहित या प्रसारित करना प्रतिबंधित है।

यह पत्रिका केवल पठन एवं शैक्षिक उद्देश्य के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है। इसका किसी भी प्रकार से व्यावसायिक उपयोग या विक्रय करना वर्जित है।

सामग्री की सटीकता बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया गया है, फिर भी किसी त्रुटि या अद्यतन परिवर्तन के लिए संपादक/प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होंगे।

मदद और मार्गदर्शन (Mentors & Patrons)

अमरेन्द्र कुमार पांडे ,ज़िला शिक्षा पदाधिकारी (DEO), गोपालगंज

शिव कुमार , संस्थापक (टीचर्स ऑफ बिहार)

संपादकीय मंडल (Editorial Board)

प्रधान संपादक: मनीष कुमार ,हाई स्कूल लरौली (गोपालगंज)

सहायक संपादक: विनीत कुमार शर्मा
अनीक पांडे

प्रूफ रीडर - चंदन कुमार

मार्गदर्शक - आर.पी. सिंह (ARP,SSA)

संकलन एवं संपादन: जिला शिक्षा विभाग टीम, गोपालगंज और टीचर्स ऑफ बिहार टीम

तकनीकी एवं डिज़ाइन सहयोग: शिवेन्द्र प्रकाश सुमन ,

संपादकीय (Editorial)

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों,

"विद्यार्थी दर्पण" का द्वितीय अंक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हो रहा है। प्रथम अंक को आप सभी से मिले स्नेह, सुझाव और उत्साहवर्धन ने हमें इस अंक को पहले से अधिक समृद्ध, आकर्षक और उपयोगी बनाने की प्रेरणा दी।

आज शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है। एक सफल विद्यार्थी बनने के लिए विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण, नवाचार, जीवन कौशल और अपने समाज तथा जिले की जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ इस अंक में हमने "गोपालगंज विशेष", "स्पोर्ट्स स्पेशल", विज्ञान एवं तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), करियर मार्गदर्शन, सरकारी योजनाएँ, प्रेरक व्यक्तित्व और समसामयिक विषयों को सरल एवं रोचक शैली में प्रस्तुत किया है।

हमारा प्रयास है कि "विद्यार्थी दर्पण" केवल एक पत्रिका न होकर विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और नई सोच का विश्वसनीय साथी बने। यदि इस अंक का कोई भी लेख किसी विद्यार्थी को नया सपना देखने, नई दिशा चुनने या कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करता है, तो हमारा यह प्रयास सफल होगा। आपके सुझाव और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। आइए, हम सभी मिलकर सीखने, सोचने और आगे बढ़ने की इस यात्रा को निरंतर जारी रखें।

सीखते रहें, जिज्ञासु बनें और अपने सपनों को आत्मविश्वास के साथ साकार करें।

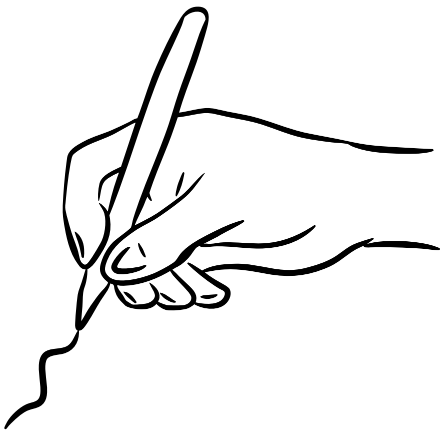

मनीष कुमार
प्रधान संपादक

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों,

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जिला शिक्षा विभाग, गोपालगंज द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक शैक्षिक पत्रिका "विद्यार्थी दर्पण" का द्वितीय अंक विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रकाशित किया जा रहा है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल का विकास करना है। "विद्यार्थी दर्पण" इसी सोच को आगे बढ़ाने वाला एक सार्थक प्रयास है, जो बच्चों को कक्षा की सीमाओं से बाहर निकलकर विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण, खेल, संस्कृति और समाज से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

मुझे खुशी है कि इस अंक को पहले से और अधिक उपयोगी एवं रोचक बनाने का प्रयास किया गया है। इसमें हमारे जिले गोपालगंज की विशेषताओं, इतिहास, उपलब्धियों एवं गौरवपूर्ण पहचान को स्थान देकर विद्यार्थियों को अपनी मिट्टी और अपनी विरासत से जोड़ने की पहल की गई है।

साथ ही इस अंक में खेल विशेष (Sports Special) के माध्यम से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, अवसरों एवं प्रमुख खेलों की जानकारी दी गई है, जिससे हमारे विद्यार्थी अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। शिक्षा और खेल दोनों मिलकर अनुशासन, टीम भावना, संघर्ष करने की क्षमता और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं।

आज का समय ज्ञान, कौशल और तकनीक का समय है। हमारे विद्यार्थियों को केवल जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नई सोच विकसित करनी चाहिए, प्रश्न पूछने चाहिए और अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, आवश्यकता है उसे पहचानने और सही दिशा देने की।

मैं सभी विद्यार्थियों से कहना चाहता हूँ कि बड़े सपने देखें, मेहनत करें और हर अवसर को सीखने का माध्यम बनाएं। असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ें, क्योंकि निरंतर प्रयास ही सफलता का मार्ग तैयार करता है।

शिक्षकों एवं अभिभावकों की भूमिका भी इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि "विद्यार्थी दर्पण" आने वाले समय में गोपालगंज जिले के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और नवाचार का एक सशक्त मंच बनेगा तथा बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और भविष्य निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

आप सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(समीर सौरभ)

जिला पदाधिकारी,
गोपालगंज

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षक साथियों,

"विद्यार्थी दर्पण" का द्वितीय अंक आप सभी के बीच प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह पत्रिका केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति, जिज्ञासा, रचनात्मकता और सीखने की इच्छा को नई उड़ान देने का एक प्रयास है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को ऐसा सक्षम बनाना है कि वे जीवन की हर परिस्थिति में सही निर्णय ले सकें, नई सोच विकसित कर सकें और समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

आज का युग तेजी से बदल रहा है। विज्ञान, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और नवाचार हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे समय में आवश्यक है कि हमारे विद्यार्थी किताबों के ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक कौशल, वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक क्षमता का भी विकास करें।

मुझे खुशी है कि "विद्यार्थी दर्पण" के इस अंक में विद्यार्थियों की रुचि और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विविध विषयों को शामिल किया गया है। इसमें गोपालगंज विशेष के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने जिले के इतिहास, पहचान और उपलब्धियों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। साथ ही खेल विशेष के माध्यम से विभिन्न खेलों, प्रतियोगिताओं और अवसरों की जानकारी देकर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित किया गया है।

शिक्षा विभाग, गोपालगंज का निरंतर प्रयास है कि प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ऐसा वातावरण मिले जहाँ वे पढ़ाई के साथ अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सकें। हर बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, आवश्यकता है उसे पहचानने, प्रोत्साहित करने और सही दिशा देने की।

मैं सभी विद्यार्थियों से कहना चाहता हूँ कि हमेशा सीखने की आदत बनाए रखें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को जानने का प्रयास करें और अपने लक्ष्य की ओर ईमानदारी से आगे बढ़ते रहें। आपकी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही आपकी सबसे बड़ी शक्ति है।

मैं सभी शिक्षकों से भी अपेक्षा करता हूँ कि वे बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। एक प्रेरित शिक्षक ही विद्यार्थियों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

मुझे विश्वास है कि "विद्यार्थी दर्पण" आने वाले समय में जिले के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और नवाचार का महत्वपूर्ण मंच बनेगा तथा विद्यालयों में पढ़ने और सीखने की संस्कृति को और मजबूत करेगा।

आप सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(अमरेन्द्र कुमार पांडे)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
गोपालगंज

अनुक्रमणिका

आविष्कार और तथ्य	08
किताबें और फिल्में	09
विज्ञान	10
भूगोल	11
कला और संस्कृति	12
इतिहास	13
राजनीति	14
जीवन कौशल	15
अभिप्रेरकों	16
पर्यावरण	17
प्रतिभा	18
जीवन शैली	19
विज्ञान गतिविधियाँ/प्रयोग	20
राज्य समाचार	21
विश्व समाचार	22
कंप्यूटर	23
खेल	24
पैसा मायने रखता है	25
अपने ज्ञान का परीक्षण करें	26
मेरा जिला मेरा गौरव, गोपालगंज विशेष	27
बिहार के छात्रों के लिए अपडेट	28

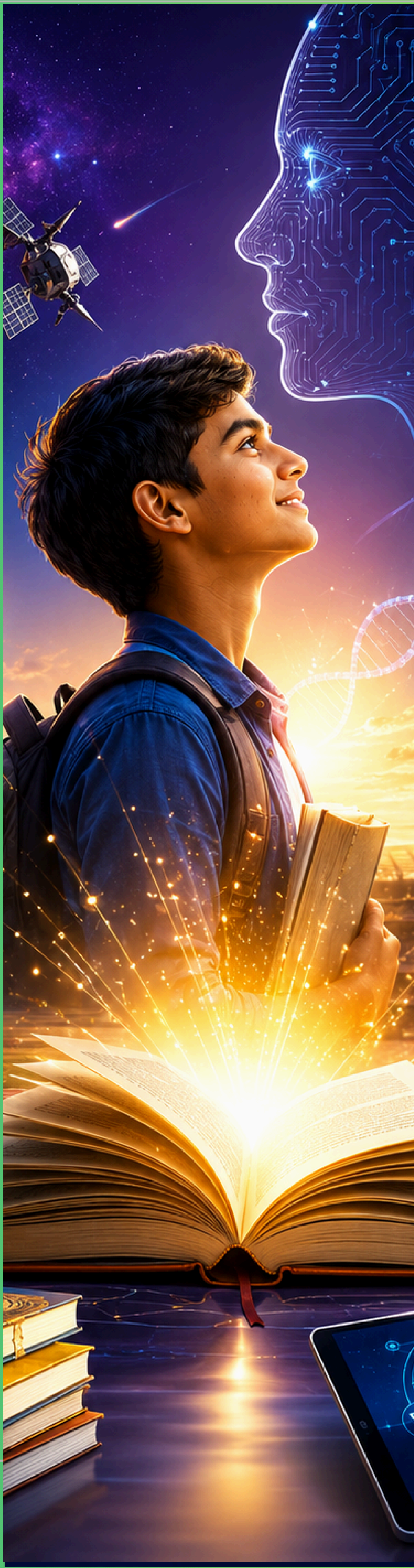

⚛️ भारत ने अपने परमाणु सपने की ओर बढ़ाया एक बड़ा कदम

भारत ने विज्ञान और ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि देश के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह सफलता भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी जहांगीर भाभा के उस सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें उन्होंने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की कल्पना की थी

क्या हुआ है?

भारत ने तमिलनाडु के कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR) नामक एक विशेष परमाणु रिएक्टर का निर्माण किया है। 6 अप्रैल 2026 को इस रिएक्टर ने "न्यूक्लियर क्रिटिकलिटी" नामक अवस्था प्राप्त की। इसका अर्थ है कि रिएक्टर ने नियंत्रित तरीके से ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक शुरू कर दी है।

इस परियोजना पर भारतीय वैज्ञानिक पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से कार्य कर रहे थे। इस उपलब्धि के साथ भारत अपने तीन-स्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है

भारत का तीन-स्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम क्या है?

परमाणु ऊर्जा संयंत्र बड़े परमाणुओं को छोटे परमाणुओं में विभाजित करके ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। ऊर्जा उत्पादन में प्रयुक्त पदार्थों को परमाणु ईंधन कहा जाता है।

यूरेनियम परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला ईंधन है। लेकिन भारत के पास विश्व के कुल यूरेनियम भंडार का केवल लगभग 1.5% हिस्सा ही है।

इसी समस्या के समाधान के लिए डॉ. होमी भाभा ने तीन-स्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का प्रस्ताव दिया।

चरण 1 (सफलतापूर्वक पूर्ण)

- प्राकृतिक यूरेनियम से ऊर्जा उत्पादन
- प्लूटोनियम प्राप्त करना

चरण 2 (वर्तमान चरण)

- प्लूटोनियम को ईंधन के रूप में उपयोग करना
- थोरियम से यूरेनियम-233 तैयार करना

चरण 3 (भविष्य का लक्ष्य)

- यूरेनियम-233 का उपयोग कर दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन

🌍 थोरियम क्यों महत्वपूर्ण है?

भारत के पास दुनिया के कुल थोरियम भंडार का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है।

हालाँकि थोरियम का सीधे ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता। जब इसे विशेष रिएक्टरों में न्यूट्रॉनों की सहायता से परिवर्तित किया जाता है, तो यह यूरेनियम-233 में बदल जाता है, जिसे परमाणु ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

इसी कारण भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम थोरियम आधारित भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

🔬 प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR) क्या है?

वर्तमान में भारत अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के पहले चरण में इंडियन प्रेसराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (IPHWRs) का उपयोग करता है।

लेकिन PFBR एक उन्नत तकनीक वाला रिएक्टर है जिसे भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने विकसित किया है।

इसकी विशेषता यह है कि यह जितना ईंधन उपयोग करता है, उससे अधिक उपयोगी ईंधन भी तैयार कर सकता है

⭐ PFBR की प्रमुख विशेषताएँ

- ✔ भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा विकसित
- ✔ 500 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता
- ✔ लगभग 4 से 5 लाख घरों को बिजली देने में सक्षम
- ✔ थोरियम आधारित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम
- ✔ आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि

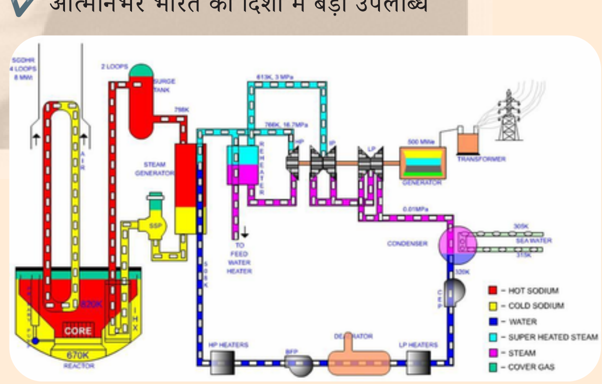

🇮🇳 भारत में परमाणु ऊर्जा की स्थिति

वर्तमान में परमाणु ऊर्जा भारत की कुल बिजली का लगभग 3 प्रतिशत योगदान देती है।

देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता लगभग 8.78 गीगावाट है।

भारत का लक्ष्य वर्ष 2031-32 तक इसे बढ़ाकर 22.38 गीगावाट करना है।

साथ ही भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

🚀 भारत के भविष्य के लिए यह क्यों महत्वपूर्ण है?

ऊर्जा आत्मनिर्भरता

भारत को तेल और गैस के लिए अन्य देशों पर कम निर्भर रहना पड़ेगा।

स्वच्छ ऊर्जा

परमाणु ऊर्जा उत्पादन में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन बहुत कम होता है।

पर्यावरण संरक्षण

यह प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में मदद कर सकती है।

विकसित भारत का सपना

सस्ती, सुरक्षित और दीर्घकालिक ऊर्जा भारत के आर्थिक विकास को गति देगी।

🌟 रोचक तथ्य

यदि PFBR पूरी क्षमता से कार्य करने लगे, तो भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन सकता है जो व्यावसायिक स्तर पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर संचालित करता है।

शब्द खोजो (Word Puzzle)

नीचे दिए गए शब्द लेख में खोजिए:

- 🟢 PFBR
- 🟢 थोरियम
- 🟢 यूरेनियम
- 🟢 प्लूटोनियम
- 🟢 कलपक्कम
- 🟢 ऊर्जा
- 🟢 भाभा

किताबें और फिल्में

🚀 WINGS TO OUR HOPES

लेखक: A. P. J. Abdul Kalam
भाषा: हिंदी / अंग्रेजी
आयु समूह: 10+ वर्ष

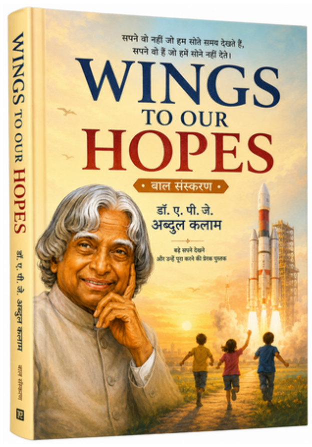

पुस्तक परिचय

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत के महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति थे। यह पुस्तक विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा देती है।

इस पुस्तक में बताया गया है कि साधारण परिवार से आने वाला एक बच्चा मेहनत और शिक्षा के बल पर देश का राष्ट्रपति और विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक कैसे बन सकता है।
पुस्तक का सबसे बड़ा संदेश है—
"सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

✍ Worksheet : 1

यदि आपको भारत के लिए कोई नया आविष्कार करने का अवसर मिले, तो आप क्या बनाएंगे और क्यों? (5 पंक्तियों में लिखें)

🚀 MISSION MANGAL

भाषा: हिंदी
आयु वर्ग: 11+ वर्ष

फिल्म परिचय

नामिशन मंगल" भारत के ऐतिहासिक मंगलयान मिशन (Mars Orbiter Mission) पर आधारित एक प्रेरणादायक फिल्म है। यह कहानी उन भारतीय वैज्ञानिकों की है जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपने सपनों को साकार किया और भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई।
फिल्म दिखाती है कि सफलता केवल बड़े बजट या आधुनिक संसाधनों से नहीं मिलती, बल्कि दृढ़ संकल्प, मेहनत, नवाचार और टीमवर्क से भी बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के वैज्ञानिकों ने असंभव लगने वाले कार्य को संभव बनाकर पूरी दुनिया को भारत की वैज्ञानिक क्षमता का परिचय दिया।
फिल्म में विज्ञान को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को अंतरिक्ष, रॉकेट और वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित होती है। यह फिल्म हमें सिखाती है कि असफलताएँ सफलता की राह का हिस्सा हैं और निरंतर प्रयास करने वाले लोग ही इतिहास रचते हैं।

🚀 क्या आप जानते हैं?

भारत दुनिया का पहला देश बना जिसने अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में सफलतापूर्वक यान स्थापित किया था।

हैरी पॉटर

फैंटेसी | एडवेंचर | जादू
english, hindi
Age: 9+
Available on www.amazon.in

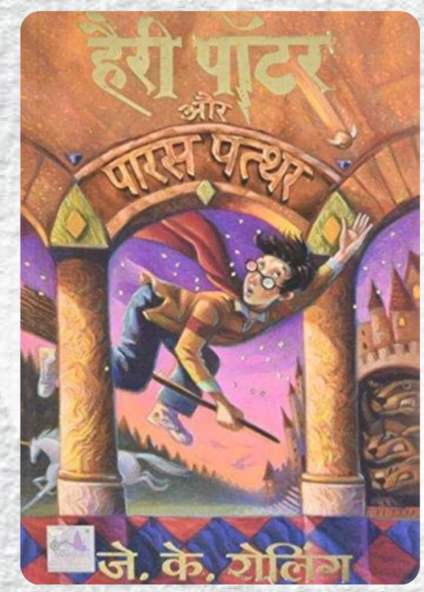

यह कहानी हैरी पॉटर नाम के एक साधारण से दिखने वाले बच्चे की है,जो असल में एक जादुई दुनिया का हिस्सा होता है। हॉगवर्ट्स जादू स्कूल में पढ़ते हुए हैरी दोस्ती, साहस और अच्छाई के लिए लड़ना सीखता है। हर किताब में नई चुनौती, नया रहस्य और गहरा संदेश छुपा है।

संदेश:

- दोस्ती और टीमवर्क की ताकत
- सही और गलत में अंतर समझना
- मुश्किल समय में हिम्मत न हारना

worksheeT : 2

अगर आपको जादुई शक्ति मिले, तो आप उसका उपयोग किस अच्छे काम के लिए करेंगे? 2–3 पंक्तियों में लिखिए।

अ स्टिच इन टाइम (A Stitch in Time)

लेखक: हिमाद्री दास और वीणा प्रसाद चित्रकार: अंकित किनी हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, आदि।
आयु: 6+
www.storyweaver.org.in पर उपलब्ध है

यह कहानी श्याम नाम के एक बच्चे की है।
एक दिन उसकी पसंदीदा कमीज़ फट जाती है और इस्त्री खराब हो जाती है। वह चीज़ों को फेंकने के बजाय उन्हें ठीक करना सीखता है। उसके दादाजी उसे सिलाई सिखाते हैं। वह अपने दोस्तों के साथ मरम्मत मेले में जाता है और साइकिल का टायर ठीक करना सीखता है।
हर मरम्मत के साथ श्याम चीज़ों को समझने लगता है।

संदेश:

- मरम्मत करना पैसे और संसाधनों की बचत है
- बेकार की चीज़ें कम होती हैं
- पर्यावरण सुरक्षित रहता है

worksheeT : 4

मरम्मत कौशल पर्यावरण की कैसे मदद करता है?

❤️ वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में बनाया छोटा "Heartbeat Boss"

नन्हा प्राकृतिक पेसमेकर जो दिल की धड़कन नियंत्रित कर सकता है

क्या आपने कभी सोचा है कि आपका दिल दिन और रात बिना रुके कैसे धड़कता रहता है, यहाँ तक कि जब आप सो रहे होते हैं तब भी?हमारे दिल में विशेष कोशिकाओं का एक छोटा समूह होता है जिसे साइनोएट्रियल नोड (Sinoatrial Node) कहते हैं। यह हमारे दिल के प्राकृतिक पेसमेकर की तरह काम करता है। यह छोटे विद्युत संकेत भेजता है, जिससे दिल को पता चलता है कि कब और कैसे धड़कना है। दिल हर सेकंड इन संकेतों का पालन करता है और पूरे शरीर में खून पहुंचाने का काम करता है।

लेकिन कभी-कभी यह प्राकृतिक पेसमेकर सही तरीके से काम करना बंद कर देता है। ऐसी स्थिति में दिल की धड़कन बहुत धीमी या अनियमित हो सकती है, जो खतरनाक हो सकती है।

ऐसे मरीजों की सहायता के लिए डॉक्टर शरीर में इलेक्ट्रॉनिक पेसमेकर (Electronic Pacemaker) लगाते हैं, जो दिल की धड़कन को नियंत्रित करने में मदद करता है। लेकिन अब विज्ञान ने इससे भी आगे बढ़कर एक नई उपलब्धि हासिल की है।

🔬 प्रयोगशाला में तैयार किया गया जीवित पेसमेकर

चीन के शंघाई में वैज्ञानिकों ने मानव स्टेम सेल की सहायता से प्रयोगशाला में एक छोटा जीवित पेसमेकर तैयार किया है।

स्टेम सेल (Stem Cell) को अक्सर शरीर की "मास्टर सेल" कहा जाता है क्योंकि ये शरीर की अलग-अलग प्रकार की कोशिकाओं जैसे हृदय कोशिका, त्वचा कोशिका और तंत्रिका कोशिका में बदल सकती हैं।

वैज्ञानिकों ने इन्हीं स्टेम सेल की सहायता से एक छोटा ऑर्गेनॉइड (Organoid) बनाया।

ऑर्गेनॉइड प्रयोगशाला में बनाया गया छोटा अंग जैसा ढांचा होता है, जो वास्तविक अंग की तरह व्यवहार कर सकता है।

यह नया प्राकृतिक पेसमेकर दिल की धड़कन को सही तरीके से नियंत्रित करने में सक्षम पाया गया

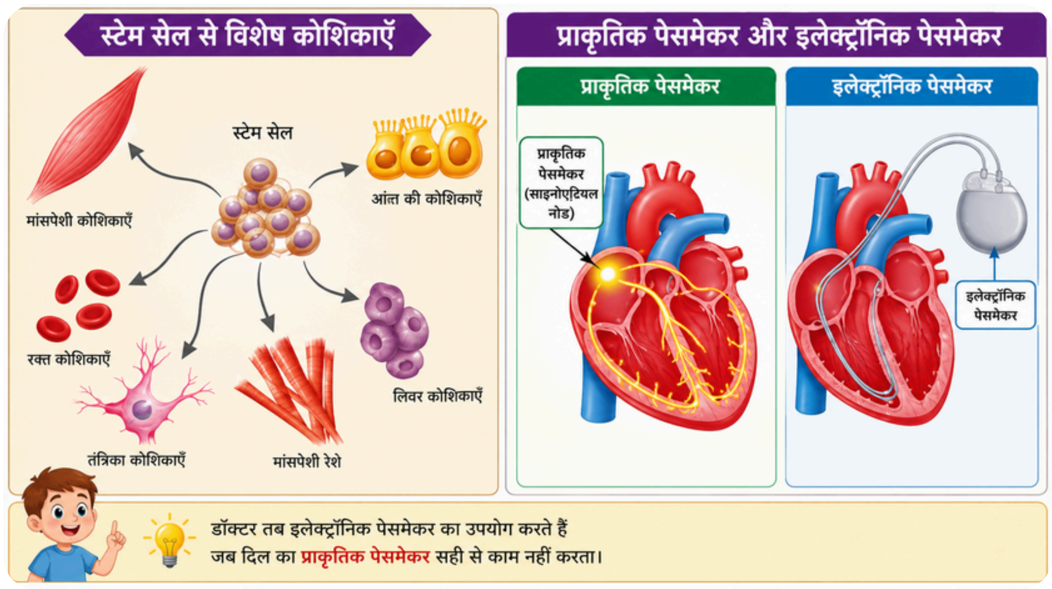

❓ क्या वैज्ञानिकों ने इसे इंसानों पर टेस्ट किया है?

अभी नहीं।

वैज्ञानिक अभी इसके शुरुआती चरण में हैं। इस जीवित पेसमेकर को केवल प्रयोगशाला में तैयार किए गए छोटे हृदय मॉडल पर टेस्ट किया गया है।

इसे वास्तविक मरीजों में उपयोग करने से पहले कई वर्षों तक और शोध एवं परीक्षण की आवश्यकता होगी।

लेकिन यह खोज दिखाती है कि भविष्य में विज्ञान शरीर के खराब हिस्सों को प्रयोगशाला में तैयार जीवित संरचनाओं से ठीक करने में सक्षम हो सकता है।

Electronic Pacemaker

लेक्ट्रॉनिक पेसमेकर एक छोटी मशीन होती है जिसे शरीर के अंदर लगाया जाता है।

यह दिल को सही तरीके से धड़कने में सहायता करती है।

❤️ हमारा दिल कैसे बिना रुके काम करता है?

हमारा दिल शरीर का सबसे मेहनती अंग है। यह जन्म से लेकर जीवन भर बिना रुके काम करता रहता है। जब हम खेलते हैं, दौड़ते हैं या आराम करते हैं, तब भी हमारा दिल शरीर की आवश्यकता के अनुसार अपनी गति बदलता रहता है।

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दिल को यह आदेश कौन देता है कि उसे कब तेज और कब धीरे धड़कना है?

इस काम को करता है हमारे दिल में मौजूद एक छोटा सा हिस्सा जिसे कहते हैं साइनोएट्रियल नोड (Sinoatrial Node)। इसे दिल का प्राकृतिक पेसमेकर भी कहा जाता है।

यह छोटा सा हिस्सा विद्युत संकेत बनाता है और पूरे दिल तक संदेश भेजता है, जिससे दिल सही ताल में धड़कता रहता है।

🤖 क्या भविष्य में शरीर के अंग प्रयोगशाला में बनेंगे?

आज वैज्ञानिक ऐसे छोटे अंग तैयार कर रहे हैं जिन्हें ऑर्गेनॉइड कहा जाता है।

ये वास्तविक अंगों जैसे दिखाई और कार्य कर सकते हैं।

भविष्य में इनका उपयोग हो सकता है

✔ नई दवाओं की जांच में
✔ बीमारियों को समझने में
✔ खराब अंगों के इलाज में

यह चिकित्सा विज्ञान की दुनिया में एक बड़ा बदलाव ला सकता है

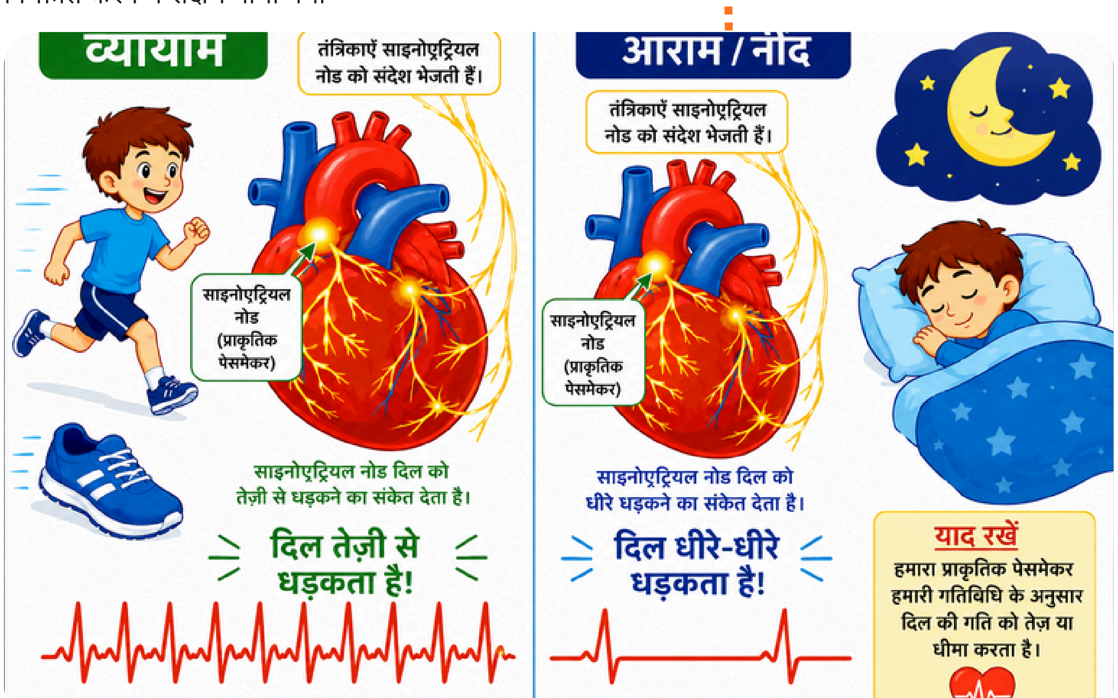

🌟 क्या आप जानते हैं?

❤️ हमारा दिल एक दिन में लगभग 1 लाख बार धड़कता है।

❤️ शरीर में मौजूद प्राकृतिक पेसमेकर हमारी भावनाओं और गतिविधियों के अनुसार दिल की गति बदल सकता है।

🧠 कैसे काम करता है यह छोटा Heart Boss?

वैज्ञानिकों ने इस छोटे पेसमेकर को एक कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क से जोड़ा और इसकी क्षमता की जांच की।

तंत्रिकाएँ यह नियंत्रित करती हैं कि व्यायाम करते समय दिल तेजी से धड़के और सोते समय धीरे चले।

प्रयोग में इस नए पेसमेकर ने भी बिल्कुल वास्तविक दिल के प्राकृतिक पेसमेकर की तरह व्यवहार किया।

यह दवाओं पर भी उसी प्रकार प्रतिक्रिया कर पाया, जिनका उपयोग दिल की धड़कन से जुड़ी समस्याओं में किया जाता है।

जब प्राकृतिक पेसमेकर बहुत धीमा या अनियमित हो जाता है तो यह छोटे विद्युत संकेत भेजकर दिल की धड़कन को नियंत्रित करता है।

इलेक्ट्रॉनिक पेसमेकर का आविष्कार 1950 के दशक में हुआ था और इसने दुनिया भर में लाखों लोगों का जीवन बचाया है।

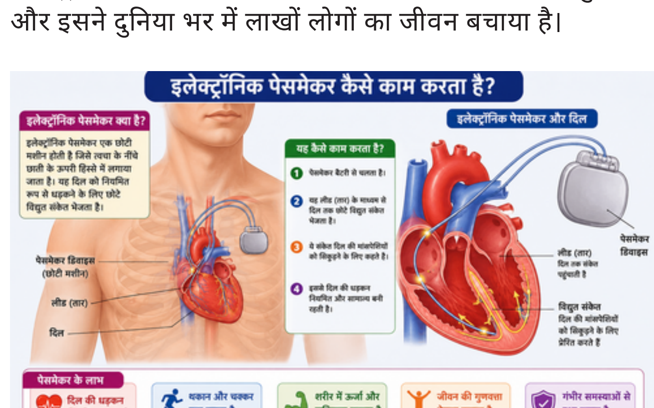

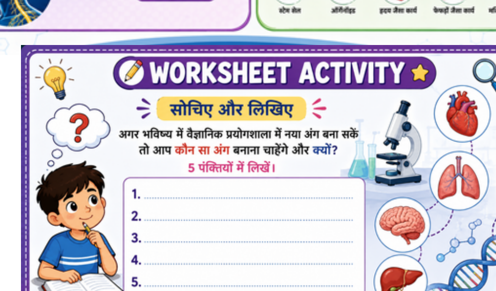

भारत की सबसे बड़ी डिजिटल जनगणना
जनगणना 2027: तकनीक से बदल रही देश की तस्वीर

🇮🇳 भारत ने पूरा किया जनगणना का पहला चरण

भारत जैसे विशाल देश के विकास के लिए यह जानना बहुत आवश्यक है कि देश में कितने लोग रहते हैं, उनकी आवश्यकताएँ क्या हैं और उन्हें कौन कौन सी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
इसी उद्देश्य से देश में जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू की गई है। यह भारत की अब तक की सबसे आधुनिक और तकनीक आधारित जनगणना है।
इस जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण एवं आवास गणना (House Listing and Housing Census) मई 2026 में पूरा किया गया। इस चरण में देशभर के घरों और उनमें उपलब्ध सुविधाओं से जुड़ी जानकारी एकत्र की गई।
अब दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ी जानकारी एकत्र की जाएगी।

🏠 पहला चरण क्या था?

मकान सूचीकरण एवं आवास गणना

पहले चरण में गणनाकर्मियों ने घर घर जाकर जानकारी एकत्र की।
इसमें देखा गया कि–
- 🏠 देश में कितने घर हैं
- 🏡 मकान किस प्रकार के हैं
- 🚰 पीने के पानी की सुविधा कैसी है
- 💡 बिजली उपलब्ध है या नहीं
- 🚽 स्वच्छता और शौचालय सुविधा
- 📱 इंटरनेट और डिजिटल सुविधाएँ

इन जानकारियों से सरकार को बेहतर योजनाएँ बनाने में सहायता मिलेगी।

👨‍👩‍👧 दूसरा चरण क्या होगा?

जनसंख्या गणना

इस चरण में देश के प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित जानकारी ली जाएगी।
जैसे–
- 👤 आयु और लिंग
- 📚 शिक्षा
- 💼 रोजगार
- 🏡 निवास स्थान
- 👨‍👩‍👧 परिवार की जानकारी

इससे देश की वास्तविक जनसंख्या और सामाजिक स्थिति को समझने में सहायता मिलेगी।

📱 पहली बार डिजिटल तरीके से जनगणना

जनगणना 2027 भारत के डिजिटल बदलाव का एक बड़ा उदाहरण है।
इस बार गणनाकर्मी पारंपरिक कागज के बजाय आधुनिक तकनीक का उपयोग करेंगे।

डिजिटल जनगणना में शामिल हैं–

- 📱 Mobile Application
- 💻 Online Data Collection
- 🔒 Secure Digital Data
- 🌐 Self Enumeration Facility

लोग पहली बार अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा भी प्राप्त कर सकेंगे।

🤔 जनगणना क्यों जरूरी है?

कल्पना करें कि किसी विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या पता न हो।
क्या सही संख्या जाने बिना–
किताबें उपलब्ध कराई जा सकती हैं?
कक्षा की व्यवस्था हो सकती है?
शिक्षकों की जरूरत पता चलेगी?
नहीं।
ठीक इसी तरह देश को सही तरीके से चलाने के लिए जनगणना आवश्यक है।

🚀 जनगणना से कैसे बदलता है भारत?

जनगणना के आंकड़ों से सरकार निर्णय लेती है–
- 🏫 कहाँ नए विद्यालय चाहिए
- 🏥 कहाँ अस्पताल बनाने हैं
- 🛣️ कहाँ सड़क की जरूरत है
- 🚰 कहाँ पानी की सुविधा बढ़ानी है
- 🌱 विकास योजनाएँ कैसे बनानी हैं

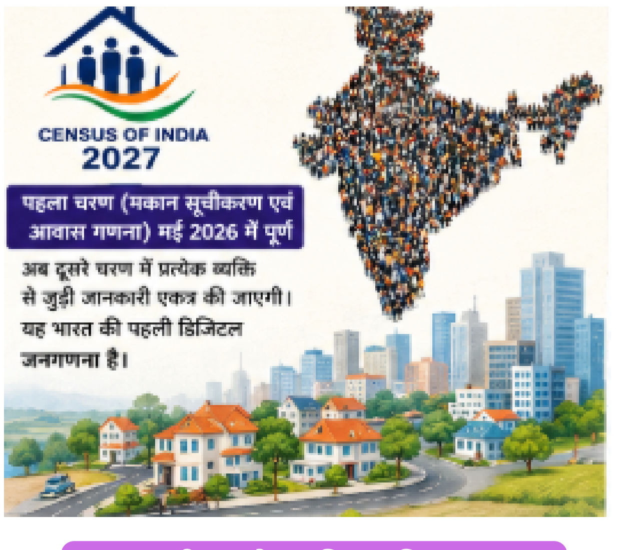

🛰️ तकनीक और भविष्य की जनगणना

आने वाले समय में जनगणना और भी आधुनिक होगी।
इसमें उपयोग बढ़ सकता है–
- 🤖 Artificial Intelligence
- 🛰️ Satellite Mapping
- 📊 Big Data Analysis
- 🌐 Digital Governance

इससे देश की योजनाएँ अधिक तेज और प्रभावी बन सकेंगी।

📜 भारत में जनगणना का सफर

- 🔹 1872
भारत में पहली बार जनगणना का प्रयास
- 🔹 1881
नियमित जनगणना की शुरुआत
- 🔹 2011
भारत की पिछली पूर्ण जनगणना
- 🔹 2027
भारत की पहली डिजिटल जनगणना

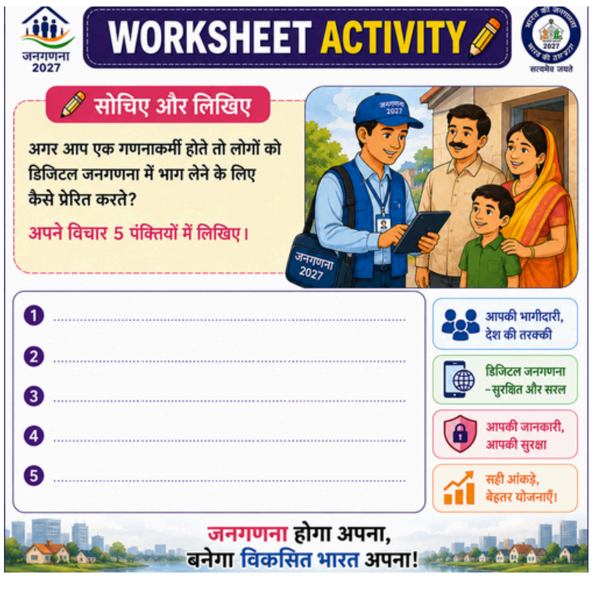

संस्कृति विशेष

भारत की जनजातीय कला

हजारों वर्षों की परंपरा और प्रकृति से जुड़ी अनोखी पहचान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न देशों के नेताओं को भारत की जनजातीय कला और हस्तशिल्प से जुड़े विशेष उपहार भेंट किए।

भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग–अलग क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों की अपनी भाषा, पहनावा, त्योहार और कला शैली हैं। इन्हीं पारंपरिक कलाओं को हम जनजातीय कला या Tribal Art कहते हैं। यह कला हमारे इतिहास, जीवन और प्रकृति से जुड़े हमारे गहरे संबंध को दर्शाती है।

भारत की संस्कृति दुनिया तक

जब भारत किसी विदेशी अविथि को पारंपरिक उपहार देता है, तो वह केवल एक वस्तु नहीं होती। वह बताती है –

- भारत का इतिहास, कलाकारों की प्रतिभा,
- प्रकृति से जुड़ी सोच और मित्रता का संदेश।

भारत की प्रसिद्ध जनजातीय कलाएँ

गोंड कला

मध्य प्रदेश के गोंड समुदाय की यह कला प्रकृति, पशु-पक्षियों और जीवन की कहानियों को रंगों और बिंदुओं के माध्यम से दर्शाती है।

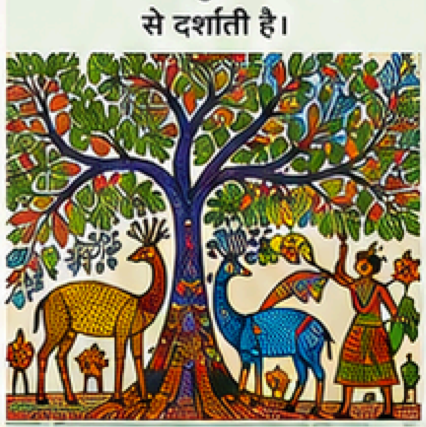

वारली चित्रकला

महाराष्ट्र की वारली कला में सरल ज्यामितीय आकृतियों से दैनिक जीवन, त्योहारों और नृत्य को दर्शाया जाता है।

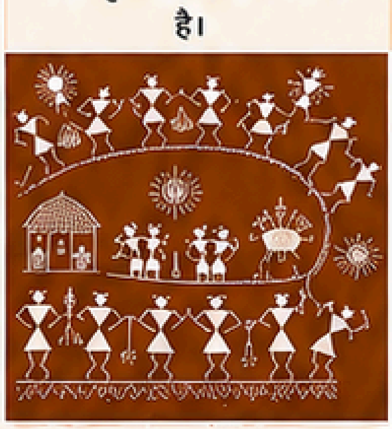

मधुबनी चित्रकला

बिहार की यह प्रसिद्ध कला प्राकृतिक रंगों से बनाई जाती है। इसमें मिर्म, पेड़-पौधे, मछली, मोर और लोक कशाएँ प्रमुख विषय होते हैं।

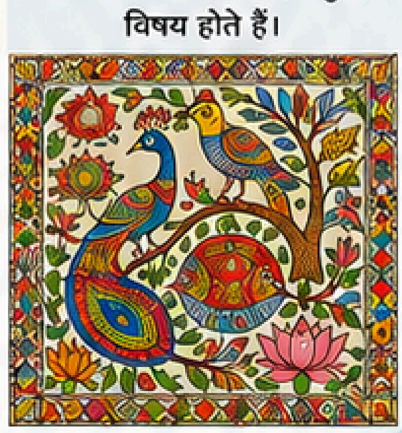

कलाकारों की मेहनत और पहचान

भारतीय जनजातीय कलाकार पीढ़ियों से अपनी कला को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके लिए कला रोजगार ही नहीं, बल्कि उनकी पहचान है। सरकार और संस्थाएँ उन्हें मंच प्रदान कर रही हैं।

- स्थानीय कला सुरक्षित होती है
- कलाकारों को सम्मान मिलता है
- नई पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ती है

GI Tag क्यों महत्वपूर्ण हैं?

GI Tag (भौगोलिक संकेत) किसी स्थान विशेष से जुड़ी वस्तु को मिलने वाली पहचान है।

मधुबनी पेंटिंग (बिहार)

बनारसी साड़ी (उत्तर प्रदेश)

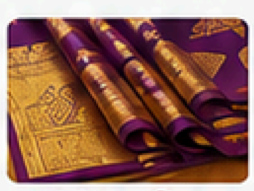

कांचीपुरम सिल्क (तमिलनाडु)

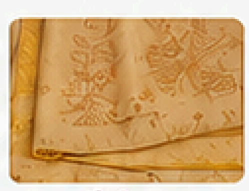

चंदेरी वस्त्र (मध्य प्रदेश)

यह स्थानीय कलाकारों और उनकी परंपराओं को सुरक्षा प्रदान करता है।

संस्कृति से बढ़ती मित्रता

जब एक देश दूसरे देश को अपनी कला और संस्कृति से जुड़ा उपहार देता है, तो इसे **सांस्कृतिक कूटनीति** कहते हैं।

संबंध मजबूत होते हैं

सम्मान बढ़ता है

संस्कृति का आदान-प्रदान होता है

क्या आप जानते हैं?

- मधुबनी चित्रकला में पहले प्राकृतिक रंग बनाए जाते थे।
- वारली चित्रकला लगभग हजारों वर्ष पुरानी मानी जाती है।
- भारत की कई पारंपरिक कलाएं आज विदेशों के संग्रहालयों में मौजूद हैं।
- कई ग्रामीण कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

युवा पीढ़ी और संस्कृति

आज के विधार्थी भविष्य के निर्माता हैं। अगर विधार्थी अपनी संस्कृति और विरासत को समझेंगे तो वे आधुनिकैता के साथ अपनी पहचान को भी सुरक्षित रख पाएंगे। तकनीक और परंपरा का मेल ही भारत को विशेष बनाता है।

POWER WORDS

Tribal Art (जनजातीय कला)
किसी समुदाय की परंपरा, जीवन और संस्कृति को दर्शाने वाली कला।

Handicraft (हस्तशिल्प)
हाथों से बनाई गई सुंदर और उपयोगी वस्तुएं।

Heritage (विरासत)
हमारी पुरानी संस्कृति, परंपराएं और धरोहर जिन्हें पीढ़ियों तक सुरक्षित रखा जाता है।

Tradition (परंपरा)
पीढ़ियों से चली आ रही रीति-रिवाज और सोच।

WORKSHEET ACTIVITY

सोचिए और लिखिए

अगर आपको किसी विदेशी मित्र को भारत की संस्कृति से जुड़ा कोई उपहार देना हो तो आप क्या देंगे और क्यों?

अपने विचार 5 पंक्तियों में लिखिए-

1. ....
3. ....
4. ....
5. ....

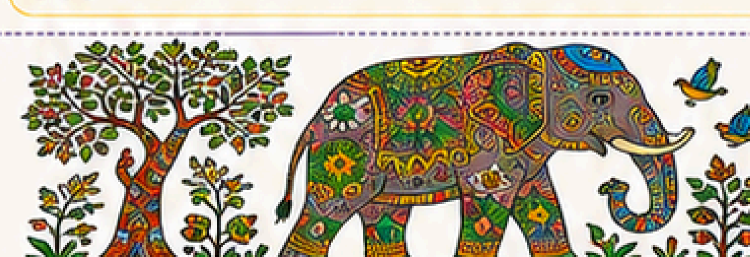

हमारी कला, हमारी पहचान – आइए अपनी संस्कृति पर गर्व करें और इसे आगे बढ़ाएँ।

भारत का प्राचीन गौरव

मौरिशस के पीएम श्री प्रविंद जगन्नाथ को भारत का प्राचीन उपहार – चोल ताम्रपत्र भेंट किया गया। यह उपहार हमारे गौरवशाली इतिहास की याद हैं।

चोल ताम्रपत्र क्या हैं?

यह ताम्रपत्र लगभग 1000 वर्ष पुराने हैं। इन पर प्राचीन तमिल भाषा में शिलालेख अंकित हैं। ये हमारे इतिहास, प्रशासन, समाज और संस्कृति की महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं। चोल साम्राज्य दक्षिण भारत का एक शक्तिशाली साम्राज्य था, जिसका शासन बहुत संगठित था।

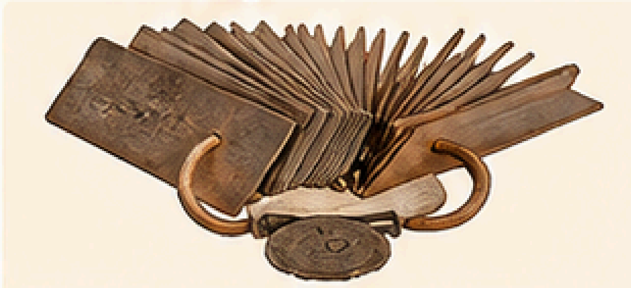

ये ताम्रपत्र मंदिरों को दान, भूमि अनुदान, कर व्यवस्था और प्रशासनिक आदेशों से संबंधित जानकारी देते हैं। इनसे हमें उस समय के जीवन और शासन प्रणाली को समझने में मदद मिलती है।

शब्द भंडार (Power Words)

- **उपहार** (Gift) – भेंट स्वरूप दी जाने वाली वस्तु।
- **शिलालेख** (Inscription) – पत्थर या धातु पर उत्कीर्ण लेख।
- **प्रशासन** (Administration) – शासन चलाने की प्रणाली।
- **धरोहर** (Heritage) – हमारी विरासत और ऐतिहासिक पहचान।

कक्षा 6 से 8 के लिए जानने योग्य बातें

भारत का इतिहास बहुत पुराना और गौरवशाली है। चोल राजाओं ने कला, संस्कृति, व्यापार और शिक्षा को बहुत बढ़ावा दिया। ताम्रपत्रों से पता चलता है कि हमारे पूर्वज कितने संगठित और ज्ञानी थे। हमें अपने इतिहास पर गर्व करना चाहिए।

चोल साम्राज्य की उपलब्धियाँ

- भव्य मंदिरों का निर्माण
- नौसेना और व्यापार का विकास
- कला, साहित्य और शिक्षा का संरक्षण
- मजबूत प्रशासन और सुव्यवस्था

चोल साम्राज्य का क्षेत्र

गतिविधि (Worksheet)

चोल ताम्रपत्रों से हमें क्या-क्या जानकारी मिल सकती है? अपने विचार लिखिए—

1. ______________________
2. ______________________
3. ______________________
4. ______________________
5. ______________________

चोल ताम्रपत्र की विशेषताएँ

- तांबे की पट्टियों पर लिखे गए शिलालेख
- तमिल भाषा में प्राचीन लिपि का उपयोग
- प्रशासनिक और सामाजिक जानकारी का खजाना
- भारत की धरोहर और पहचान का प्रतीक

बृहदेश्वर मंदिर, तंजावुर (तमिलनाडु)
चोल काल की अद्वितीय धरोहर

विज्ञान

वैज्ञानिकों ने कैसे बदल दिया मानव शरीर और खेती का भविष्य

आज विज्ञान ने हमारी जिंदगी को कई तरीकों से आसान और बेहतर बना दिया हैं। वैज्ञानिक लगातार नई खोज कर रहे हैं, जिनसे हमारा शरीर, स्वास्थ्य और खेती-बाड़ी दोनों मजबूत हो रहे हैं।

शब्द भंडार (Power Words)

- **डीएनए** (DNA) – शरीर की आनुवंशिक जानकारी।
- **टीका** (Vaccine) – बीमारी से बचाने का उपाय।
- **क्लोनिंग** (Cloning) – एक जैसे जीव की प्रतिलिपि बनाना।
- **जैविक** (Organic) – प्राकृतिक और रासायनिक रहित।

गतिविधि (Worksheet)

विज्ञान ने हमारे जीवन और खेती को कैसे बेहतर बनाया है? नीचे लिखिए—

1. ______________________
2. ______________________
3. ______________________
4. ______________________
5. ______________________

कक्षा 6 से 8 के लिए जानने योग्य बातें

विज्ञान ने हमारे जीवन को बदल दिया है। नई खोजों से हमें बीमारियों से लड़ने, अच्छी फसल उगाने और स्वस्थ रहने में बहुत मदद मिलती है। विज्ञान हमारे भविष्य को और भी उज्ज्वल बना रहा है।

वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण खोजें

डीएनए की खोज

डीएनए हमारे शरीर की बनावट और गुणों को नियंत्रित करता है। इसकी खोज से कई बीमारियों का इलाज संभव हुआ।

नए टीके और दवाइयाँ

वैज्ञानिकों ने कई बीमारियों से बचाने वाले टीके बनाए हैं जैसे पोलियो, खसरा आदि। नई दवाइयाँ कई जानें बचा रही हैं।

क्लोनिंग तकनीक

क्लोनिंग से खास गुणों वाले पौधे और जानवर तैयार किए जा सकते है। यह विज्ञान का अद्भुत क्षेत्र है।

खेती में विज्ञान का योगदान

उन्नत बीज

वैज्ञानिकों ने ऐसे बीज तैयार किए हैं जो अधिक उपज देते हैं और कम पानी में भी अच्छे से उगते हैं।

जैविक खाद और तकनीक

जैविक खाद और नई तकनीक से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

सिंचाई और उपकरण

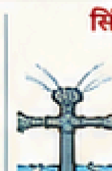

नई सिंचाई तकनीक और आधुनिक उपकरण खेती को आसान और उत्पादक बनाते हैं।

क्या आप जानते हैं?

- भारत में हरे क्रांति ने देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाया।
- वैज्ञानिकों की खोज से आज कई असंभव लगने वाले कार्य संभव हो गए हैं।
- विज्ञान और तकनीक का सही उपयोग मानव जीवन को सुंदर और सुरक्षित बनाता हैं।

याद रखें

विज्ञान हमारे जीवन में नया प्रकाश लाता हैं। हमें विज्ञान की नई-नई खोजों को समझना और उनके सही उपयोग से समाज और देश का विकास करना चाहिए।

विचार करें

अगर आप वैज्ञानिक होते, तो कौन-सी खोज करते जो समाज और प्रकृति के लिए सबसे अधिक लाभकारी होती? अपने विचार कक्षा में साझा करें।

समाचार अध्ययन

विधानसभा चुनाव 2026: मतदान से कैसे बदली सरकारें

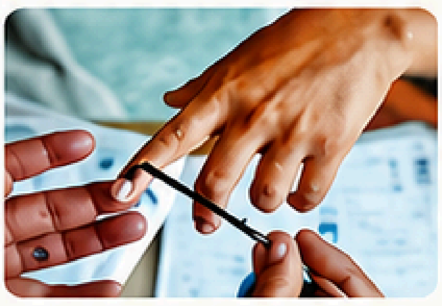

पश्चिम बंगाल चुनाव

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव हुआ। 2.9 प्रतिशत के कम अंतर से टीएमसी की हार का सामना करना पड़ा और बीजेपी ने बहत बनाई। अधीर रंजन चौधरी अपनी सीट हार गए। यह हार टीएमसी के लिए राजनीतिक परिवर्तन का संकेत हैं।

कक्षा 6 से 8 के लिए

चुनाव अलग-अलग लोकतंत्र का त्योहार कहा जाता है

यह विभिन दलों और उम्मीदवारों को एक साथ लाता है और लोगों को जनता की ताकत का एहसास कराता है। उदाहरण के लिए, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में लोग कहते हैं, "लोकतंत्र को त्योहार की तरह मनाएं।"

यह नागरिकों को शामिल होने, मतदान करने और विपए उत्साहित करतो है।

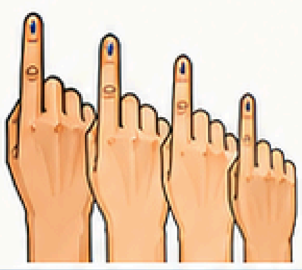

केरल चुनाव

केरल में, कांग्रेस के नेतूत्व वाले युड़ीएफ (संयुक्त लोकतांत्विक मोर्चा) ने जीत हासिल की। लोकतांत्रिक मोर्चों की सीटों का मुकाबल हुआ और विल मत ज़ो की जीपके। ध्यान इस बात पर चुनाव हार गए।

तमिलनाडु चुनाव

तमिलनाडु में, सतारूढ डीएमके ने भारी जीत हासिल की, 200 से अधिक सीटें जीतीं। डी. पलानीस्वामी (एड्डिमके) सके) के अगुवाई वाली एआईएडीएमके को काफी मुकसान हुआ। यह परिणाम डीएमके के मजवूत समर्थन को दर्शाता है।

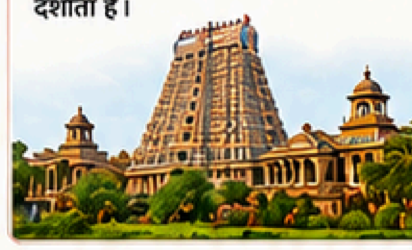

पुडुचेरी चुनाव

पुडुचेरी में, एनआर कांग्रेस गठबंधन जीत हासिल की, सतारूढ़ एनडीए को हराया। यह बदलाव मतदाताओं के बदलते मूड़ को दर्शाता है।

विधानसभा चुनाव क्या हैं?

भारत में हर पाँच साल में विधानसभा चुनाव होते हैं। वयस्क नागरिक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवारों को वोट देते हैं जो उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट पाता है, वह विधायक बन जाता है और सरकार बनाने में मदद करता है।

हर वोट की अहमियत क्यों?

- चुनाव हमें अपनी पसंद के नेता चुनने का मौका देते हैं।
- नेता स्कूल, अस्पताल और सड़कों जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करते हैं।
- मतदान करने से हमारा देश मजवूत होता हैं।

महत्वपूर्ण शब्द

Assembly : कानून बनाने वाले प्रतिमिधियों का समूह।

Lieutenant : गवर्नर की मदद करने वाला अधिकारी।

Govern : किसी क्षेत्र को चलाना या प्रशासन करना।

शब्द खोजें : PL134

समाचार से संबंधित शब्द खोजें।

M	A	S	S	A	A	A	I	E	G
R	P	H	E	G	S	L	Y	Q	H
H	B	X	L	A	A	U	H	A	K
E	W	Q	H	M	P	M	R	I	O
L	I	M	E	Y	A	J	E	E	B
B	Q	S	S	T	A	S	F	G	X
G	S	M	V	P	J	S	C	K	P
G	A	C	Y	W	Q	Z	D	W	E
E	L	E	C	T	I	O	N	N	E
P	E	H	A	A	E	U	L	Y	R
N	Y	T	N	D	R	Z	P	W	S

भारत के शीर्ष न्यायालय में बढ़ रही जजों की संख्या

कक्षा 9 से 12 के लिए

न्यायपालिका

एक स्कूल में केवल कुछ शिक्षक होते हैं, लेकिन कई छात्र होते हैं जिन्हें वहुत सारे सवालों के उत्तर चाहिए। यह सुनिश्चिव करने के लिए कि सभी को न्याय मिले, और अधिक शिक्षकों की आवश्धवता होती है।

भारत के शीर्ष न्यायालय में बढ़ रहे जजों की संख्या

और अधिक मामलों को तेजी से हल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में जजों की संख्या बढ़ाई गई है। यह सुवारु न्याय प्रणाली को मजवूत और तेज वनाता है।

कार्यपत्रक : PL133

नीचे दी गई शर्तों को सही अर्थ से मिलाइए।

शर्त	अर्ध
1. मामला	a. लिखित शपथ, सच्चाई बताना
2. याचिका	b. न्यायाधीशों का एक समूह
3. शपथ-पत्र	c. किसी मामले को उच्च न्यायालय में भेजना
4. पीठ	d. एक औपचारिक आवेदन
5. संदर्भ	e. अदालत में प्रस्तुत प्रमाणित दस्तावेज

पुडुच्चेरी जानकारी

संघ के सदस्यों के अलाता अव कोई व्यक्ति सव में नही होता, तव भी अनुच्छेद 124 और 1950 के पुर्ण रून्य नहीं करते है किन्दु दोनों की सतिर्यत करते हैं।

कब बना : फरवरी-मार्च
मानमुन सत्र : जुलाई-अगरत
शीतकालीन सत्र : नवंबर–दिसंबर

कौन वढ़ा रहा है जजों की संख्या?

भारत के संविधान में संसद को कानून बनाने की शक्ति दी गई है। अनुच्छेद 124 और 1950 के के अनुसार, जव उच्चतम सान में अधिक जना होते हैं वे अधिक मामलों की सुनवाई कर सकते हैं।

कानून के अनुसार व्यवस्था

अध्यादेश | **कानून**

अध्यादेश तत्लाल आवश्यवता के लिए होते हैं, जैसे कोई आपवलीन नियम।

कानून स्थायी होते हैं जों संसद द्वारा पुरी वहस के बाद बनाए जाते हैं।

भारत का सर्वोच्च न्यायालय क्या हैं?

यह भारत में सबसे बड़ा न्यायालय है। यह नई दिल्ली में स्थित है। संविधान की रक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कानून निष्पक्ष और समान हो।

आप कैसे मदद कर सकते हैं?

- ☑ कानून का सम्मान करें।
- ☑ सेच्वाई और नियमतों का पालन करें।
- ☑ न्याय और सच्चाई के वारे में जानें।
- ☑ न्यायपालिका और अन्य के खिलाफ आवाज उठाएं।

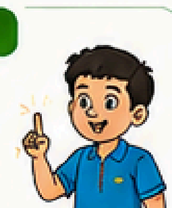

क्या आप जानते हैं?

- भारत में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिक वोट दे सकते हैं।
- भारत में पहली बार 1950 में आम चुनाव हुए थे।
- उच्चतम न्यायालय में वर्तमान में 34 न्यायाधीश हैं।
- न्यायपालिका निष्पक्षता और सच्चाई सुनिश्चिव करती हैं।

जागरुक बनें, मतदान करें, जिम्मेदार नागरिक बनें – यही है सशक्त भारत की पहचान!

बिना डर के प्रयास का रहस्य: अपना सर्वश्रेष्ठ करो, सीखो और फिर से कोशिश करो

हर दिन हम कुछ नया करने का प्रयास करते हैं—
कोई पढ़ाई में अच्छा बनना चाहता है,
कोई खेल में जीतना चाहता है,
तो कोई मंच पर बोलना सीखना चाहता है।
लेकिन कई बार हमें डर लगता है—

- "अगर मैं असफल हो गया तो?"
- "लोग क्या कहेंगे?"
- "अगर फिर से गलती हो गई तो?"

याद रखो, असफलता अंत नहीं है,
यह सीखने की एक सीढ़ी है।
जब हम अपना पूरा प्रयास करते हैं,
तो हम अपने लक्ष्य के और करीब पहुँचते हैं,
चाहे परिणाम कुछ भी हो।
इसलिए, बिना डर के आगे बढ़ो,
अपना सर्वश्रेष्ठ दो, सीखो और फिर से कोशिश करो।
यही सफलता का रास्ता है!

सोचो और समझो

कोशिश करो, सीखो और आगे बढ़ो!

कल्पना करो कि तुम एक इमारत बना रहे हो।
एक-एक ईंट जोड़ने से ही वह मजबूत बनती है।
उसी तरह, हमारी छोटी-छोटी कोशिशें
ही हमें बड़े लक्ष्य तक पहुँचाती हैं।
असफलता हमें रोकती नहीं,
बल्कि हमें बेहतर बनाती है।
हर गलती हमें कुछ नया सिखाती है,
और हर प्रयास हमें आगे बढ़ाता है।

महत्वपूर्ण शब्द (Power Words)

प्रयास (Effort)
किसी काम को करने की पू पूरी कोशिश।

सीख (Learn)
अनुभव से कुछ नया ज्ञान प्राप्त करना।

धैर्य (Patience)
कठिन समय में शांत और दृढ़ रहना।

आत्मविश्वास (Confidence)
खुद की क्षमता पर भरोसा करना।

सफलता (Success)
लक्ष्य को प्राप्त करना।

याद रखने योग्य बातें

- हर असफलता एक सीख है।
- मेहनत और लगातार प्रयास से सफलता मिलती है।
- गलतियों से डरने के बजाय उनसे सीखो।
- छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव लाते हैं।
- खुद पर विश्वास रखो, तुम कर सकते हो!

क्यों होता है डर?

- असफल होने का डर
- लोगों की आलोचना का डर
- गलती करने का डर
- तुलना करने की आदत
- आत्मविश्वास की कमी

डर को कैसे दूर करें?

- नकारात्मक विचारों को बदलें।
- अपने लक्ष्य को छोटे-छोटे भागों में बाँटें।
- हर दिन थोड़ा-थोड़ा प्रयास करें।
- गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें।
- सकारात्मक लोगों के साथ रहें।

प्रेरणादायक विचार

"सफलता उन लोगों को मिलती है, जो हार मानने के बजाय बार-बार कोशिश करते हैं।

"कोशिश करना बंद मत करो, शायद आपकी अगली कोशिश ही सफल हो!"

प्रगति की सीढ़ी

याद रखो! सबसे बड़ा जोखिम कुछ न करना है।
कोशिश करने वाले कभी हारते नहीं,
वे या तो जीतते हैं या सीखते हैं।

जीवन में इसे कैसे अपनाएं?

1. लक्ष्य तय करें

अपने लिए एक छोटा और स्पष्ट लक्ष्य बनाएं।

2. योजना बनाएं

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एक अच्छी योजना बनाएं।

3. मेहनत करें

नियमित अभ्यास और मेहनत करें।

4. गलती से सीखें

गलतियों को समझें और उनसे सीखें।

5. दोबारा प्रयास करें

हार मानने के बजाय फिर से कोशिश करें।

गतिविधि (WORKSHEET)

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने विचार लिखिए—

1. जब आपको डर लगता है, तो आप क्या करते हैं?
2. आपने कब किसी काम में असफल होने के बाद फिर से कोशिश की?
3. आप अपने लक्ष्य के लिए रोज़ क्या प्रयास करते हैं?
4. आपकी सबसे बड़ी ताकत क्या है?
5. आप दूसरों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

प्रेरणादायक व्यक्तित्व

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
उन्होंने कई बार असफलताएँ देखीं, लेकिन हार नहीं मानी और देश के मिसाइल मैन कहलाए।

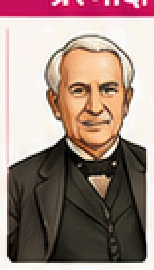

थॉमस एडीसन
बल्ब बनाने के लिए उन्होंने हजारों बार असफल होकर भी फिर से कोशिश की और सफलता पाई।

मेरी कॉम
कई कठिनाइयों के बाद भी अपनी मेहनत और हिम्मत से वह विश्व चैंपियन बनीं।

क्या आप जानते हैं?

- हमारा दिमाग हर दिन नया सीखने के लिए तैयार रहता है।
- जो लोग कोशिश करते रहते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।
- सकारात्मक सोच से हमारी सफलता की संभावना बढ़ जाती है।

याद रखें

मन में विश्वास, मेहनत और लगातार प्रयास—यही सफलता की चाबी है।

विचार करें

अगर आप बिना डर के हर दिन एक कदम आगे बढ़ों, तो एक साल बाद आप कहाँ होंगे?

बिना डर के प्रयास करो, सीखो और फिर से कोशिश करो – सफलता निश्चित है!

प्रेरणादायक व्यक्तित्व

भारतीय महिलाओं ने जीता "ग्रीन ऑस्कर" सम्मान

भारत के लिए गर्व की बात है। भारत की दो महिला संरक्षणकर्ताओं **पूर्णिमा देवी बर्मन** और **सोनम वांगमो** ने प्रतिष्ठित व्हिटली अवॉर्ड (Whitley Award) जीतकर देश का नाम रोशन किया है।
इस पुरस्कार को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में **"ग्रीन ऑस्कर"** भी कहा जाता है। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जो जंगलों, वन्यजीवों और पर्यावरण की रक्षा के लिए असाधारण कार्य करते हैं। यह पुरस्कार हर वर्ष यूनाइटेड किंगडम स्थित Whitley Fund for Nature संस्था द्वारा प्रदान किया जाता है।

Moreangels Mbizah

दुनिया भर के कई वन्यजीव संरक्षणकर्ताओं को भी व्हिटली अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जिमबाब्वे की **Moreangels Mbizah** को शेरों की रक्षा और इंसान तथा शेरों के बीच संघर्ष कम करने के लिए सम्मान मिला।

भारतीय स्किमर पक्षी की रक्षक बनीं पूर्णिमा देवी बर्मन

असम की रहने वाली पूर्णिमा देवी बर्मन को संकटग्रस्त भारतीय स्किमर पक्षी को बचाने के प्रयासों के लिए यह सम्मान मिला।
भारतीय स्किमर पक्षी की चोंच कैंची की तरह होती है और यह नदियों के ऊपर उड़कर मछलियाँ पकड़ता है। दुर्भाग्य से नदियों का प्रदूषण, काढ़, रेत खनन और प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंचने के कारण यह पक्षी खतरे में है। आज पूरी दुनिया में केवल लगभग 3,000 भारतीय स्किमर पक्षी ही बचे हैं और इनमें से अधिकतर भारत में पाए जाते हैं।

भारतीय स्किमर पक्षी

पूर्णिमा देवी बर्मन

Issah Seidu

घाना के **Issah Seidu** को समुद्री जीवों की रक्षा, विशेष रूप से संकटग्रस्त गिटारफिश तथा अत्यधिक मछली पकड़ने को रोकने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

हिमालय की संरक्षण योद्धा सोनम वांगमो

दूसरी भारतीय विजेता **सोनम वांगमो** हैं। उन्होंने हिमालय क्षेत्र के दुर्लभ जीवों और वहाँ की नाजुक पारिस्थितिकी की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने स्थानीय समुदायों को जागरूक करके वन्यजीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सोनम वांगमो

इक्वाडोर की संरक्षिका पाओला सारगुरो

इक्वाडोर की Paola Saraguro को संकटग्रस्त गैलापागोस पेट्रेल पक्षी को बचाने के लिए सम्मान मिला। उन्होंने स्थानीय किसानों के साथ मिलकर इस दुर्लभ पक्षी के घोंसलों की रक्षा और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने का कार्य किया।

Paola Saraguro

दूसरी भारतीय विजेता बरखा सुब्बा

दुजक (अरुणाचल प्रदेश) की **बरखा सुब्बा** को **हिमालयी सलामैंडर** (Himalayan Salamander) की रक्षा के लिए सम्मान मिला। हिमालयी सलामैंडर छिपकली जैसा दिखता है, लेकिन यह वास्तव में उभयचर जीव है, जैसे मेंढक। यह पृथ्वी पर करोड़ों वर्षों से अस्तित्व में है और आर्द्र क्षेत्रों एवं नम स्थानों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

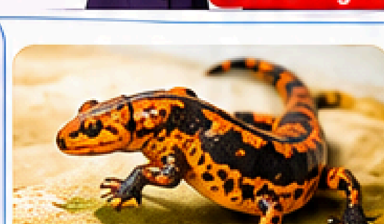

शब्द भंडार (POWER WORDS)

उभयचर (Amphibian)	ऐसा जीव जो जल और भूमि दोनों स्थानों पर रह सकता है।
आवास (Habitat)	किसी जीव का प्राकृतिक घर या रहने का स्थान।
जीवित जीवाश्म (Living Fossil)	ऐसा पौधा या जीव जो लाखों वर्षों से लगभग उसी रूप में पृथ्वी पर मौजूद है।

कार्यपत्रक : MT140

पढ़िए: आज पूरी पृथ्वी पर लगभग 3,000 भारतीय स्किमर पक्षी ही बचे हैं और इनमें से 90% से अधिक भारत में पाए जाते हैं।
अब बताइए: भारत में कितने भारतीय स्किमर पक्षी रहते हैं?

प्रेरक व्यक्तित्व

वह व्यक्ति जिसने अपनी तस्वीरों से भारत की कहानी कही

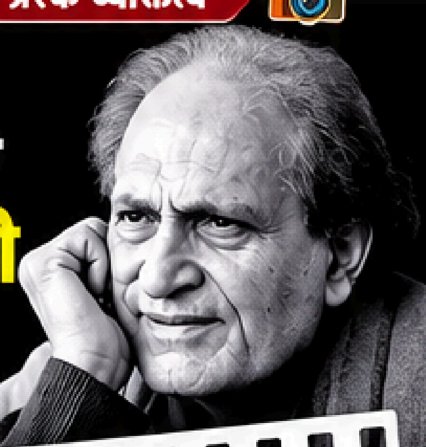

बोर्डीअन अकाल की लड़कियां, 1972

भोपाल गैस त्रासदी, 1984

भारत ने हाल ही में अपने महान फोटोग्राफर **रघु राय** को खो दिया। वे 83 वर्ष की आयु में इस दुनिया से विदा हुए, लेकिन उन्होंने अपने पीछे ऐसी तस्वीरों की विरासत छोड़ी है जो आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। रघु राय केवल फोटोग्राफर नहीं थे, बल्कि समाज के दर्द को समझने और उसे दुनिया तक पहुँचाने वाले संवेदनशील कलाकार थे।

कई दशकों तक उनके कैमरे ने भारत की सच्ची और महत्वपूर्ण कहानियों को कैद किया। उनकी तस्वीरों ने साधारण क्षणों को असाधारण बना दिया। चाहे वह अकाल हो, प्रदूषण हो, राजनीतिक आंदोलन हों या आम लोगों का संघर्ष, उनकी तस्वीरें हमेशा हमारे दिल को छू जाती थीं।

1942 में जन्मे रघु राय ने बचपन में सोचा भी नहीं था कि वे फोटोग्राफर बनेंगे। वे पहले सिविल इंजीनियर बने और सरकारी नौकरी की। लेकिन एक यात्रा में उनके भाई की एक तस्वीर ने उनकी जिंदगी बदल दी। तब से उन्होंने फोटोग्राफी को अपना जीवन बना लिया।

उनकी मेज पर रखे कैमरे ने उन्हें भारत के दूर-दराज इलाकों में पहुँचाया जहाँ उन्होंने लोगों की कहानियाँ अपने चित्रों में उतारी।

1984 की भोपाल गैस त्रासदी के बाद उनकी तस्वीरों ने दुनिया को दिखाया कि उस दर्द की गहराई कितनी बड़ी थी। उनकी तस्वीरें देखकर लोगों ने समझा कि एक तस्वीर शब्दों से ज्यादा बोल सकती है।

रघु राय ने प्रसिद्ध समाचार पत्रों और पत्रिकाओं जैसे 'द स्टेट्समैन', 'टाइम' और 'लाइफ' के लिए काम किया। उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। वे मैगनम फोटो संस्था के सदस्य भी बने और उन्होंने भारतीय फोटोग्राफरों की एक अंतराष्ट्रीय पहचान बनाई।

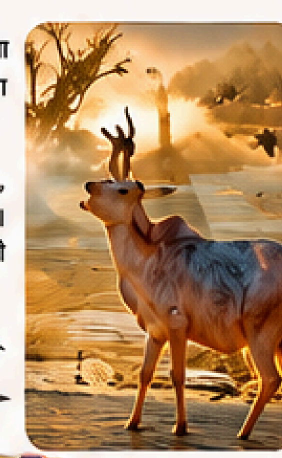

शब्द भंडार (POWER WORDS)

दर्दशन (Dardshan)	पवित्र व्यक्ति, देवता या किसी श्रद्धेय चीज की उपस्थिति में होना।
शरणार्थी (Refugee)	वह व्यक्ति जो युद्ध, हिंसा या संकट के कारण अपने घर या देश से भागकर सुरक्षित स्थान खोजता है।
पद्म श्री (Padma Shri)	भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान जो कला, साहित्य, विज्ञान, खेल, सामाजिक कार्य आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

कार्यपत्रक : MT139

अपने घर, स्कूल, सड़क, बाजार, पार्क, गाँव या शहर के इर्द-गिर्द देखिए।
कल्पना कीजिए कि आपको एक महत्वपूर्ण कहानी पर फोटो खींचनी है।
उस कहानी की फोटो लीजिए और उसे शब्दों में वर्णन कीजिए।

____
____
____
____

वैज्ञानिकों ने स्पर्म व्हेल की "गुप्त भाषा" को समझा

स्पर्म व्हेल अंधेरे महासागर के सबसे रहस्यमयी जीवों में से एक हैं। इनकी गहराई तक जाग्ने की क्षमता मानव मस्तिष्क केलिएवेलो बालांन का विषय रही है। हालिया अब बैवागतिवों ने इनकी "भाषा" को समझने की दिशा में एक बड़ी उेपलवधि हासिल की हैं।

स्पर्म व्हेल क्या हैं?

स्पर्म व्हेल दुनिया की सबसे बड़ी दांत वाली व्हेल है।

इनकी लंबाई 18 मीटर तक हो सकती है और वजन 50 टन तक होता हैं। ये गहर समुद्र में 2,000 मीटर तक की गहराई तक जा सकती हैं।

इनका विशाल सिर इनके शिकार को ढुंढने और ध्वनि संकेत भेजने में मदद करता है।

इनका भोजन मुख्यत: स्क्वेड, मछलियां और गहरे समुद्र के अन्य जीव होते हैं।

इनका समूह छोटा होता है—
मादा, वच्चे और कुछ क नर।

व्हेल ध्वनियां क्यों निकालती हैं?

स्पर्म व्हेल क्लिक, बीप और कोड जैंसी विभिन्न ध्वनियां निकालती हैं। ये ध्वनियां एक तरह की संचार प्रणाली जैसी हैं। ये ध्वनियां इनकी आपसी बातचीत, भोजन ढूंढने, खतरे से बचने, साथी को पास बुलाने और समुह में रहने के लिए उपयोग होती हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये ध्वनियां उनके लिए 'शब्दों' की तरह काम करती हैं, जिससे वे जानकारी साझा करती हैं।

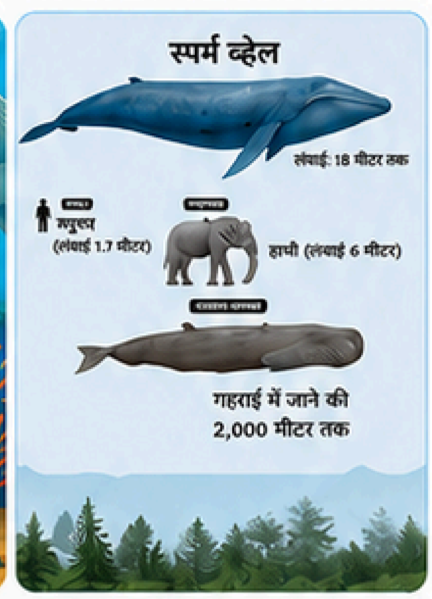

कैलिफोर्निया के वैज्ञानिकों ने कैरेबियन सागर में लगभग 4,000 व्हेल कोड के रिकॉर्डिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) द्वारा अवयन किया।

वैज्ञानिकों ने पाया कि ये ध्वनियां आकर्षजनक रूप से संगठित हैं। व्हेल अपनी ध्वनियों का उपयोग भोजन ढुंढने, समूह में रहने, शिकारियों से बचने और एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए करती हैं। उनकी 'कोड' संरचना किसी भाषा जैसी ही लगती है—जहां हर ध्वनि का एक अर्थ होता है।

यह खोज वताती है कि व्हेल संवेदन: सोचने-समझने में हमारी कल्पना से भी ज्यादा उन्नत हैं।

यह खोज न केवल विज्ञान के लिए, वल्कि समुद्री जीवन की सुरक्षा और समझ के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

हालांकि, वैज्ञानिक बताते हैं कि इस 'भाषा' को पूरा समझने के लिए अभी और शोध की आवश्यता है।

वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह शोध व्हेल की रक्षा करने, समुद्री जीवन को समझने और इंसान-समुद्र संबंध को मजबुत बनाने में मदद करेगा।

इसे जानने का मतलव है—समुद्र की दुनिया को नए तरीके से समझना और हमारी पृथ्वी पर जीवन की विविधता को वचाना।

पृष्ठभूमि जानकारी

प्रोजेक्ट CETI क्या हैं?

प्रोजेक्ट CETI एक वैशिक विज्ञान परियोजना हैं। यह व्हेल और डॉलफिन की भाषा को समझने के लिए नई तकनीक, मशीन लर्मिंग, ध्वनि विस्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करती है। इसका उद्देश्य इन जीवों के बीच की संचार प्रणाली को समझना और समुद्र के संरक्षण में मदद करना है।

वर्कशीट : EE137

नीचे दिए गए पैटर्न को देखिए। इनमें से तीन क्लिक पैटर्न चुनिए और उनका अर्ध लिखिए।

उदहरण: क्लिक-क्लिक-क्लिक = "यहाँ आओ"

1. ____________________
2. ____________________
3. ____________________

2026 वैश्विक वन लक्ष्य रिपोर्ट: जंगलों को हमारी मदद चाहिए

वैश्विक वन लक्ष्य (Global Forest Goals)

लक्ष्य 1 वनों की देखभाल में वृद्धि	लक्ष्य 2 वनों के स्वास्थ्य और उत्पादकता में वृद्धि	लक्ष्य 3 वनों से होने वाले लाभ में वृद्धि
लक्ष्य 4 समावेशी वन शासन व्यवस्था	लक्ष्य 5 जंगलों से मिलने वाली वित्तीय सहायत्या में वृद्धि	लक्ष्य 6 वन उत्पादों के व्यापार में वृद्धि

मुख्य निष्कर्ष

दुनिया के कुल स्थलीय क्षेत्र में वनों का भाग

32%

1990 की तुलना में यह क्षेत्र में वृद्धि:

2%

सभी 6 वन लक्ष्यों में प्रगति

54% लक्ष्यों में मध्यम या उच्च स्तर की प्रगति

लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
37%	23%	63%	60%	43%	71%

क्यों जरुरी हैं जंगल?

जंगल हमें देते हैं:

स्वस्थ हवा, स्वच्छ पानी, भोजन, दवा, लकड़ी, रोजगार और जलवायु परिवर्तन से सुरखा।

हर साल हो रहा नुकसान

172 लाख

हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो रहा है। यह लगभग पनामा देश के बरावर है!

मुख्य कारण

कृषि	वन कटाई	आग	अन्य कारण
40%	27%	16%	17%

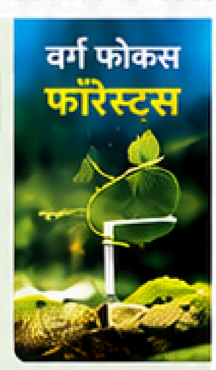

जंगलों को नुकसान बढ़ने के मुख्य कारण:

- कृषि के लिए जमीन साफ करना, लकड़ी की कटाई, आग, खनन और शहरीकरण।
- जलवायु परिवर्तन के कारण सुखा, बाढ़, गर्मी की लहरें और कीटों का हमला बढ़ रहा है।
- इनसे जंगल नष्ट हो रहे हैं, जीव-जंतु अपने पर खो रहे हैं और हमारी पृथ्वी का संतुलन विगड़ रहा है।

और अधिक प्रयास, लेकिन अभी कम

- कई देशों ने अपने वन संरक्षण लक्ष्यों को बेहतर किया है, लेकिन अभी भी लक्ष्य पूरे नहीं हो रहे।
- स्थानीय लोगों, आदिवासियों और समुदायों की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- इस रिपोर्ट में 2030 तक के लिए और अधिक मजवुत कदम उठाने की बात कही गई है।

भविष्य में चुनौतियां

- यदि सही स्थिति रही तो हर साल बहुत बड़े क्षेत्र के जंगल नष्ट होंगे।
- हमें अभी से कदम उठाने होंगे ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जंगल और प्रकृति सुरक्षित रह सकें।
- यह रिपोर्ट 2026 में जारी की गई, जिसमें 145 देशों के आंकड़ों का विस्लेषण किया गया हैं।
- यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) का हिस्सा हैं।

पावर शब्द (POWER WORDS)

उभ्यचर (Amphibian):	ऐसा जीव जो जल और भुमि दोनों स्थानों पर रह सकता है।
आवास (Habitat):	किसी जीव या पौधे का प्राकृतिक घर या रहने का स्थान।
जीवित जीवाश्म (Living Fossil):	ऐसा जीव जो लाखों वर्षों से लगभग उसी रूप में अस्तित्व में है।

कार्यपत्रक : MT140

पढ़ो और सोचो : आज लगभग 3,000 भारतीय स्कीमर पक्षी ही दुनिया में बचे हैं, और इनमें से 90% से अधिक भारत में पाए जाते हैं।
अब बताओ : भारत में कितने भारतीय स्कीमर पक्षी पाते वाते?

____

कार्यपत्रक : MT139

अपने घर, विद्यालय, सड़क, बाजार, पार्क, गांव या शहर के आसपास देखो। कोई एक महत्वपूर्ण कहानी चुनो जिसे आप तस्वीर के रूप में दिखाना चाहते हो। उसकी एक तस्वीर खींचो और उसके बारे में कुछ पंक्तियां लिखो।

____
____
____
____

बिहार और भारत के युवा वैज्ञानिकों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम

ISEF 2026 में भारतीय विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

भारत के विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या महंगे संसाधनों की मोहताज नहीं होती। अमेरिका में आयोजित Regeneron International Science and Engineering Fair (ISEF) 2026 में भारतीय छात्रों ने अपनी वैज्ञानिक सोच और नवाचार से पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। ISEF विश्व की सबसे बड़ी प्री-कॉलेज विज्ञान एवं इंजीनियरिंग प्रतियोगिता मानी जाती है। इसमें 70 से अधिक देशों के हजारों विद्यार्थी भाग लेते हैं। भारत के कई विद्यार्थियों ने विज्ञान, पर्यावरण, इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अपने अभिनव प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किया।

इस वर्ष बिहार सहित भारत के कई राज्यों के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, वैज्ञानिक सोच और शोध क्षमता से देश का गौरव बढ़ाया। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, जिज्ञासा और निरंतर अभ्यास से कोई भी विद्यार्थी वैश्विक मंच तक पहुंच सकता है।

AQUA FLUX
पर्यावरण संरक्षण के लिए स्मार्ट संमाधान

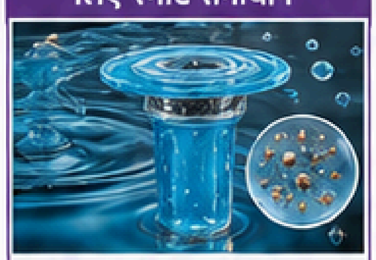

कुछ भारतीय विद्यार्थियों ने Aqua Flux नामक एक अभिनव उपकरण विकसित किया। यह उपकरण गंदे पानी में मौजूद सूक्ष्म प्लास्टिक (Microplastics) और अन्य हानिकारक कणों को अलग करने में सहायता करता है। यदि भविष्य में इस तकनीक का बड़े स्तर पर उपयोग किया जाए, तो यह नदियों, झीलों और तालाबों के जल को अधिक स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

ECOFOG
कोहरे से स्वच्छ जल बनाने की तकनीक

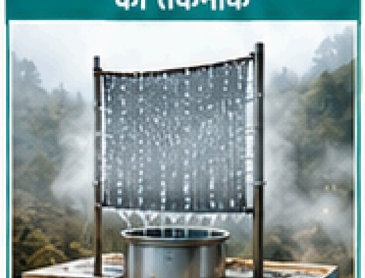

एक अन्य छात्र टीम ने EcoFog नामक परियोजना विकसित की, जिसमें विशेष जाली (Fog Collector) की सहायता से कोहरे की नमी को इकट्ठा कर स्वच्छ जल प्राप्त किया जाता है।

यह तकनीक विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए उपयोगी हो सकती है जहां वर्षा कम होती है और पेयजल की समस्या बनी रहती है।

DARK MATTER STUDY
अंतरिक्ष के रहस्यों को समझने की दिशा में कदम

कुछ विद्यार्थियों ने ब्रह्मांड के रहस्यमयी पदार्थ Dark Matter पर आधारित शोध प्रस्तुत किया।

उन्होंने कंप्यूटर मॉडल और वैज्ञानिक आँकड़ों की सहायता से यह समझने का प्रयास किया कि डार्क मैटर किस प्रकार आकाशगंगाओं की संरचना और गति को प्रभावित करता है।

इन सफलताओं से क्या सीखें?

- बड़े सपने देखने का साहस रखें।
- हर समस्या को समाधान खोजने के अवसर के रूप में देखें।
- विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह जीवन की समस्याओं का समाधान है।
- निरंतर अभ्यास और मेहनत सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

भारतीय मूल के किशोर ने जीती अमेरिका की सबसे बड़ी स्पेलिंग प्रतियोगिता

भारतीय मूल के किशोर आरव कुलकर्णी ने अमेरिका की प्रतिष्ठित Scripps National Spelling Bee प्रतियोगिता जीतकर पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

- यह प्रतियोगिता अंग्रेज़ी भाषा के कठिन शब्दों की सही वर्तनी पहचानने की क्षमता की परीक्षा लेती है।
- इसमें अमेरिका और दुनिया भर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भाग लेते है।
- आरव की सफलता का सबसे बड़ा कारण नियमित अभ्यास, शब्दों के अर्थ को समझना, अनुशासन और आत्मविश्वास रहा।

स्पेलिंग बी क्या है?

Spelling Bee एक अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता है जिसमें प्रतिभागियों को कठिन अंग्रेज़ी शब्दों की सही वर्तनी (Spelling) बतानी होती है।

इस प्रतियोगिता से विद्यार्थियों की—

- शब्दावली (Vocabulary)
- उच्चारण (Pronunciation)
- एकाग्रता (Concentration)
- आत्मविश्वास (Confidence)

में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

10वीं के बाद कौन-सा STREAM चुनें?

1. SCIENCE

यदि आपकी रुचि गणित, विज्ञान, कंप्यूटर, इंजीनियरिंग, चिकित्सा या शोध में है, तो Science आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है।

मुख्य करियर:
- इंजीनियर
- डॉक्टर
- वैज्ञानिक
- AI एवं Data Science
- Biotechnology
- Defence Services

2. COMMERCE

यदि आपको व्यवसाय, बैंकिंग, वित्त और अर्थशास्त्र पसंद है, तो Commerce अच्छा विकल्प है।

मुख्य करियर:
- Chartered Accountant (CA)
- Company Secretary (CS)
- Banking
- BBA / MBA
- Financial Analyst

3. ARTS / HUMANITIES

यदि आपकी रुचि इतिहास, राजनीति, समाज, कानून, पत्रकारिता या प्रशासनिक सेवाओं में है, तो Arts एक उत्कृष्ट विकल्प है।

मुख्य करियर:
- UPSC / BPSC
- पत्रकारिता
- शिक्षक
- वकील
- मनोवैज्ञानिक
- समाजसेवी

4. व्यावसायिक शिक्षा (VOCATIONAL)

जो विद्यार्थी जल्दी रोजगार या कौशल आधारित शिक्षा चाहते हैं, उनके लिए यह अच्छा विकल्प है।

उदाहरण:
- ITI
- Polytechnic
- Paramedical
- Hotel Management
- Fashion Designing
- Animation

सही STREAM कैसे चुनें?

- अपनी रुचि पहचानें।
- अपनी क्षमता का सही मूल्यांकन करें।
- भविष्य के करियर विकल्पों की जानकारी लें।
- शिक्षकों और अभिभावकों से सलाह लें।
- केवल दोस्तों की नकल करके निर्णय न लें।

POWER WORDS

- Achievement (उपलब्धि) – कठिन परिश्रम से प्राप्त सफलता।
- Innovation (नवाचार) – नई सोच या नया समाधान।
- Career (करियर) – भविष्य का पेशा या कार्यक्षेत्र।
- Focus (एकाग्रता) – किसी कार्य पर पूरा ध्यान लगाना।
- Inspiration (प्रेरणा) – किसी से सीख लेकर आगे बढ़ने की भावना।

WORKSHEET ACTIVITY
सोचिए और लिखिए

1. आपको विज्ञान, वाणिज्य, कला या व्यावसायिक शिक्षा में से कौन-सा क्षेत्र सबसे अधिक पसंद है और क्यों? ____________________
2. यदि आपको किसी वैज्ञानिक समस्या का समाधान खोजने का अवसर मिले, तो आप किस विषय पर शोध करना चाहेंगे? ____________________
3. अपने भविष्य के लिए अगले पाँच वर्षों की एक सरल योजना लिखिए। ____________________

भारत का "सेहत मिशन" जब खेती मिली सेहत से

भारत में "India's Sehat Mission" के तहत ICAR (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) और ICMR (भारतीय आयुर्वीज्ञान अनुसंधान परिषद) ने मिलकर खेती और पोषण को जोड़ने का एक अनोखा अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य है – "स्वस्थ मिट्टी, पौधा और भोजन से स्वस्थ भारत"।

INDIA'S SEHAT MISSION

इस मिशन के अंतर्गत देश भर के कई राज्यों में पोषण-समृद्ध फसलें उगाई जा रही हैं, जैसे – मोटे अनाज (श्री अनाज), दालें, हरी सब्जियाँ, फल और दूध। इन फसलों में विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की मात्रा अधिक होती हैं, जो हमारे शरीर को मजबूत बनाते हैं और बीमारियों से बचाते है।

सेहतमंद भविष्य की ओर कदम

किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे पौष्टिक और सुरक्षित फसल उगा सकें। साथ ही, स्कूलों, आंगनवाड़ियों और समुदायों तक पोषक आहार पहुंचाया जा रहा है।
यह मिशन न केवल कुपोषण को कम करेगा बल्कि किसानों की आय भी बढ़ाएगा।

स्वस्थ भारत के तीन स्तंभ

जब भोजन पोष्टिक होगा, परिवार स्वस्थ होगा और समाज मजबूत होगा, तभी हमारा देश विकसित और समर्थ बनेगा।

मिशन से जुड़े कुछ प्रमुख कार्यक्रम

पोषण वाटिका अभियान
हर घर पोषण का बगीचा

मिलेट्स (श्री अनाज) को बढ़ावा
श्री अनाज – सेहत के लिए वरदान

स्कूल पोषण कार्यक्रम
बच्चों तक पौष्टिक आहार

EXERCISE : पहचानिए

निम्नलिखित खाद्य पदार्थों को उनके पोषक तत्वों से मिलाइए–

1. दालें	A. प्रोटीन
2. दूध	B. कैल्शियम
3. हरी सब्जियाँ	C. विटामिन और आयरन
4. मिलेट्स (श्री अनाज)	D. फाइबर और ऊर्जा

WORKSHEET : LE179

अपने आस-पास के क्षेत्र में उगाई जाने वाली पौष्टिक फसलों के नाम लिखिए और बताइए कि वे हमारे स्वास्थ्य के लिए कैसे लाभकारी हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजा कैसे व्यायाम करता है दिमाग को तेज!

वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण खोज की है कि नियमित व्यायाम हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग को भी तेज और सक्रिय बनाता है।
जब हम दौड़ते हैं, कूदते हैं, योग करते हैं या कोई खेल खेलते हैं, तब हमारे दिमाग में रक्त का प्रवाह बढ़ता है और नई ब्रेन सेल्स (तंत्रिका कोशिकाएँ) बनने लगती हैं। यह प्रक्रिया हमारी याददाश्त, ध्यान लगाने की क्षमता और सीखने की शक्ति को बढ़ाती है।

वैज्ञानिक शोध क्या कहता है ?

पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी (Penn University) और कुछ अन्य संस्थानों के शोध में पाया गया है कि जो बच्चे प्रतिदिन 30-60 मिनट शारीरिक गतिविधि करते हैं, वे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और उनका मूड भी अच्छा रहता है।

ब्लड फ्लो और ब्रेन सेल्स

व्यायाम करने से दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है। इससे ऑक्सीजन और पोषक तत्व दिमाग तक पहुँचते हैं और नई कोशिकाएँ बनती हैं।

व्यायाम से पहले

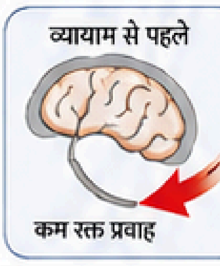

व्यायाम के बाद

व्यायाम के अद्भुत फायदे

- तनाव (Stress) कम करता है।
- मूड बेहतर बनाता है।
- याददाश्त और ध्यान बढ़ाता है।
- नींद अच्छी आती है।
- शरीर को बीमारियों से बचाता है।

किस तरह का व्यायाम करें ?

रोज़ाना 30-60 मिनट तक तेज चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, योग, खेलकूद या नृत्य करना बहुत फायदमंद है।
कम से कम 5 दिन नियमित व्यायाम करें और मोबाइल तथा स्क्रीन टाइम कम रखें।

POWER WORDS

Exercise (व्यायाम)	– शरीर और दिमाग को सक्रिय रखने की क्रिया।
Brain Cells (तंत्रिका कोशिकाएँ)	– दिमाग की कार्य करने वाली छोटी कोशिकाएँ।
Focus (ध्यान)	– किसी कार्य पर मन लगाना।
Memory (याददाश्त)	– सीखी हुई बातों को याद रखने की क्षमता।
Healthy Lifestyle (स्वस्थ जीवनशैली)	– सही खान-पान, व्यायाम और अच्छी आदतें।

WORKSHEET : LE180

आपको व्यायाम क्यों पसंद हैं? व्यायाम से आपको क्या-क्या लाभ मिलते हैं? अपने विचार लिखिए।

करके सीखो विज्ञान (Learning by Doing)

परिणाम

ये छोटे-छोटे बीड्स सूखे में बहुत छोटे होते हैं, लेकिन पानी में डालते ही बड़े और मुलायम हो जाते हैं। यह जल को सोखने की अद्भुत क्षमता को दर्शाता है।

प्रयोग-1 : मैजिक वॉटर बीड्स

सामग्री

- जल बीड्स (Water Beads)
- पानी
- पारदर्शी कटोरी

विधि

1. कटोरी में जल बीड्स डालें।
2. उसमें पानी भरें और 10–12 घंटे छोड़ दें।
3. बीड्स के आकार में बदलाव देखें।

परिणाम

बीड्स पानी को सोखकर कई गुना बड़े हो जाते हैं।

सीख

कुछ पदार्थ पानी को सोख लेते हैं। यह सिद्धांत कृषि और बागवानी में उपयोगी है।

प्रयोग-2 : रंग बदलता फूल

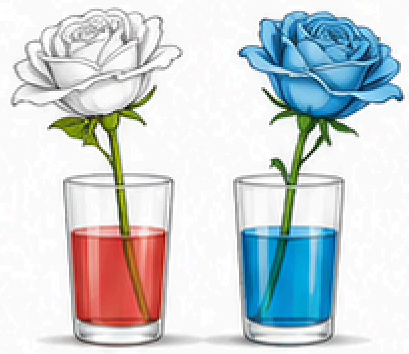

सामग्री

- सफेद फूल (जैसे – गुलाब या कारनेशन)
- दो गिलास
- पानी
- फूड कलर (लाल और नीला)

विधि

1. दो गिलास में पानी भरें और अलग-अलग रंग मिलाएँ।
2. फूल को तिरच्छा काटें और दोनों गिलास में रख दें।
3. कुछ घंटों बाद फूल का रंग बदलता देखें।

परिणाम

फूल का रंग पानी के रंग में बदल जाएगा।

सीख

पौधे जड़ों के माध्यम से पानी को सोखते हैं। पानी के साथ रंग भी ऊपर की ओर जाता है।

प्रयोग-3 : अदृश्य स्याही

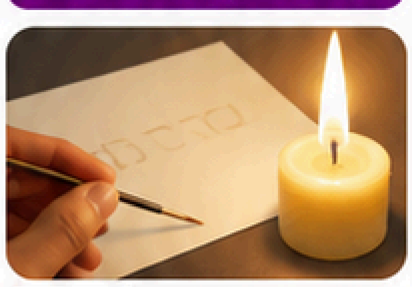

सामग्री

- नींबू का रस
- कॉटन बड / ब्रश
- सफेद कागज़
- मोमबत्ती या बल्ब

विधि

1. नींबू के रस को कॉटन बड़ से कागज़ पर लिखें।
2. सूखने दें, कुछ दिखाई नहीं देगा।
3. मोमबत्ती की हल्की गर्मी दिखाएँ, लिखावट दिखाई देगी।

परिणाम

गर्मी देने पर लिखावट भूरी होकर दिखाई देती है।

सीख

कुछ द्रव गर्मी देने पर अपना रंग बदलते हैं। इसे अदृश्य स्याही कहा जाता है।

प्रयोग-4 : गुब्बारा रॉकेट

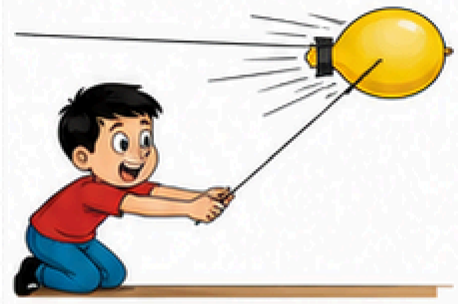

सामग्री

- गुब्बारा
- धागा / नाइलोन रस्सी
- स्ट्रॉ (स्ट्रॉ)
- टेप

विधि

1. धागे को दोनों सिरों पर बांधें।
2. स्ट्रॉ को धागे में पिरोएँ और टेप से चिपकाएँ।
3. गुब्बारे को फुलाएँ (बिना बांधें) और छोड़ दें।
4. गुब्बारा तेजी से एक तरफ चला जाएगा।

परिणाम

गुब्बारा तेजी से एक दिशा में चला जाता है।

सीख

हवा पीछे की ओर निकलती है और गुब्बारा आगे की ओर चलता है। इसे गति का सिद्धांत कहते हैं (एकशन-रिएक्शन)।

प्रयोग-5 : नींबू बैटरी

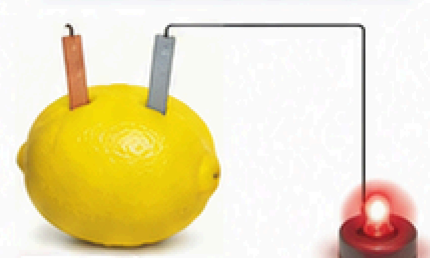

सामग्री

- नींबू
- तांबे का सिक्का (कॉपर)
- जिंक की कील / गेल्वेनाइज्ड कील
- LED लाइट (छोटी)
- तार

विधि

1. नींबू में सिक्का और कील को 2–3 सेमी की दूरी पर गाड़ें।
2. LED के दोनों तार सिक्का और कील से जोड़ें।
3. LED जल उठेगी।

परिणाम

LED लाइट जल उठती है।

सीख

नींबू में मौजूद अम्ल (Acid) रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदल देता हैं।

प्रयोग-6 : छाया घड़ी बनाओ

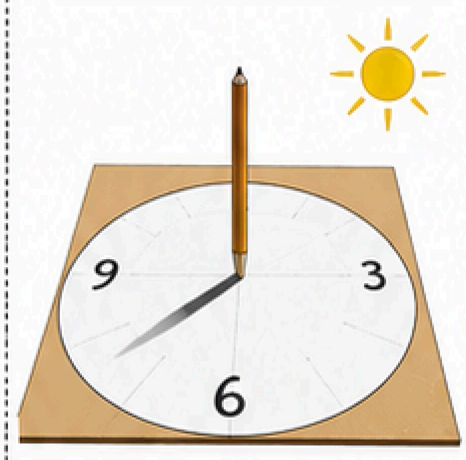

सामग्री

- कार्डबोर्ड / मोटा कागज़
- पेंसिल
- स्केल
- मार्कर

विधि

1. गोल कार्डबोर्ड बनाकर उस पर 12, 3, 6, 9 के निशान लगाएँ।
2. बीच में पेंसिल खड़ी करें।
3. धूप में रखें और पेंसिल की छाया जहां पड़े वहां निशान लगाते जाएँ।

परिणाम

छाया की स्थिति बदलती रहेगी।

सीख

पृथ्वी के घूमने से छाया की दिशा बदलती है। इसी सिद्धांत पर घड़ी काम करती है।

सुरक्षा और सावधानियॉं

- प्रयोग करते समय सावधानी रखें।
- नुकीली चीजों का उपयोग बड़े की मदद से करें।
- आग या गर्म चीजों से दूर रहें।
- प्रयोग के बाद सामग्री को व्यवस्थित करें और हाथ धोएं।

सोचो और लिखो

1. पौधे पानी को कैसे ऊपर तक पहुँचाते हैं?
2. क्या आप घर पर कोई ऐसी चीज बना सकते हैं जो ऊर्जा बचाए?
3. अदृश्य स्याही का उपयोग किन जगहों पर किया जा सकता है?
4. नींबू बैटरी में कौन-सी ऊर्जा किसमें परिवर्तित होती है?

विज्ञान के महान वैज्ञानिक

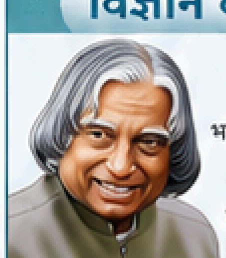

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारत के "मिसाइल मैन" और महान वैज्ञानिक। उन्होंने अपने जीवन से हमें सिखाया कि सपने वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने नहीं देते।

तुम भी वैज्ञानिक बन सकते हो!

- जिज्ञासा रखो
- प्रश्न पुछो
- प्रयोग करो
- सीखते रहो
- देश और समाज के लिए कुछ नया करो

Power Words (शब्द शक्ति)

- Absorb (अवशोषित करना) – भीतर खींच लेना।
- Invisible (अदृश्य) – जो दिखाई न दे।
- React (अभिक्रिया करना) – प्रभाव डालना।
- Energy (ऊर्जा) – कार्य करने की क्षमता।
- Principle (सिद्धांत) – किसी नियम का आधार।

असम: काजीरंगा में दुर्लभ कछुए की प्रजाति हुई रिलीज

असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में दुर्लभ फ्लैपशेल कछुए को सफलतापूर्वक रिलीज किया गया। यह प्रजाति लुप्तप्राय श्रेणी में आती है। वन विभाग और कछुआ संरक्षण संगठन की टीम ने मिलकर इसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ा। इससे जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहेगा।

गुजरात: NH-48 पर देश का पहला फ्री फ्लो टोल प्लाजा शुरू

गुजरात ने NH-48 पर देश का पहला फ्री फ्लो टोल प्लाजा शुरू किया है। यहां बिना रुके वाहन आसानी से निकल सकते हैं। FASTag से टोल अपने आप कट जाएगा। इससे समय, ईंधन और प्रदूषण की बचत होगी।

- फ्री फ्लो टोल प्लाजा में बैरियर नहीं होता।
- कैमरे और सेंसर से वाहन की पहचान होती है।
- FASTag से टोल अपने आप कट जाता है।
- इससे ट्रेफिक जाम नहीं लगता और यात्रा तेज होती है।
- यह तकनीक भारत को स्मार्ट और डिजिटल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सुरक्षित यात्रा, सुगम यात्रा **डिजिटल भारत, विकसित भारत**

सिक्किम: भारत में पेपरलेस कोर्ट की शुरूआत

सिक्किम भारत का पहला राज्य बन गया है, जहां पूरी तरह पेपरलेस कोर्ट शुरू हुई है। सभी दस्तावेज डिजिटल रूप में तैयार, साझा और सुरक्षित किए जाते हैं। इससे समय की बचत, पारदर्शिता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम "ई-कोर्ट मिशन" को नई ऊंचाई देता है।

कम कागज, साफ पर्यावरण, मजबूत न्याय प्रणाली

झारखंड: हज़ारीबाग बना भारत का पहला मोती खेती क्लस्टर

हजारीबाग (झारखंड) भारत का पहला मोती कृषि क्लस्टर बन गया है। यहां आधुनिक तकनीक से मोती की खेती की जा रही है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। यह पहल किसानों की आय बढ़ाएगी और भारत को मोती उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाएगी।

नई सोच, नया रोजगार, समृद्ध झारखंड

कर्नाटक: बेंगलुरू में ग्लोबल वाटर समिट 2026 आयोजित

बेंगलुरू में ग्लोबल वाटर समिट 2026 का आयोजन हुआ। इसमें 100 से अधिक देशों के विशेषज्ञों ने जल संरक्षण, जल प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर विचार साझा किए। भारत की पारंपरिक जल प्रणालियों और नवीन तकनीकों की सराहना की गई।

जल है तो कल है

आंध्र प्रदेश: भारत का पहला AMCA फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट शुरू

आंध्र प्रदेश में भारत के पहले स्वदेशी 5वीं पीढ़ी के फाइटर एयरक्राफ्ट AMCA (Advanced Medium Combat Aircraft) प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई। यह प्रोजेक्ट भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मजबूत बनाएगा तथा हजारों युवाओं के लिए उच्च तकनीकी रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

आत्मनिर्भर भारत, सुरक्षित भारत

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह: अंडरवाटर तिरंगा फहराकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

अंडमान और निकोबार के गोताखोरों ने 30 मीटर गहरे समुद्र में सबसे बड़ा अंडरवाटर तिरंगा फहराकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह पहल "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" और देशभक्ति की भावना का अद्भुत उदाहरण है।

गर्व से कहो – हम भारतीय हैं !

वर्कशीट : SM043

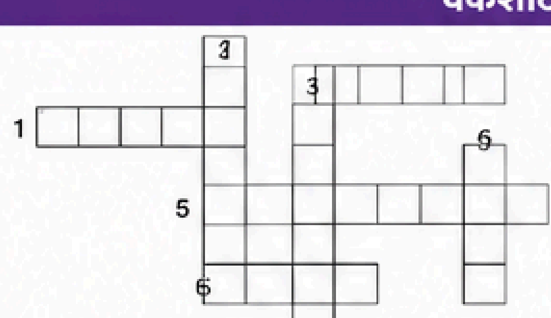

बाएं से दाएं

1. NH-48 पर शुरू हुई नई व्यवस्था
2. भारत का पहला मोती खेती क्लस्टर किस राज्य में बना?
3. कछुए की वह प्रजाति जो लुप्तप्राय श्रेणी में आती है

ऊपर से नीचे

4. सिक्किम में शुरू हुई किस तरह की कोर्ट?
5. जल संरक्षण पर आयोजिज अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
6. भारत का पहला स्वदेशी 5वीं पीढ़ी का एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट

संकेत: सभी उत्तर इसी पृष्ठ के लेखों में छिपे हैं।

क्या आप जानते हैं?

- मोती केवल सीपी (Oyster) के अंदर बनता है।
- पेपरलेस सिस्टम से हर साल लाखों पेड़ बचते हैं।
- FASTag से टोल भुगतान कैशलेस और आसान होता है।

विज्ञान का मंत्र

नए विचारों पर प्रयोग करो,
समस्याओं को हल करो,
देश और समाज के लिए
कुछ नया करो।
यही है सच्चा विज्ञान!

पावर वर्ड्स

- संरक्षण (Conservation) – संरक्षण करना
- नवाचार (Innovation) – नया तरीका
- स्थिरता (Sustainability) – टिकाऊ विकास
- पारदर्शिता (Transparency) – स्वच्छता/स्पष्टता
- आत्मनिर्भरता (Self-Reliance) – स्वावलंबन

अमेरिका: सरकार ने जारी किए गुप्त UFO फाइल्स के दस्तावेज

अमेरिका की सरकार ने हाल ही में पुराने 'UFO (Unidentified Flying Object)' से जुड़े हजारों पन्नों के दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं। इनमें 1940 से 1970 के बीच हुई घटनाओं की रिपोर्ट, तस्वीरें और पायलट्स के बयान शामिल हैं। सरकार ने कहा कि इन दस्तावेजों को जारी करने का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना है। वैज्ञानिक इन रिपोर्टों का अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन अब तक किसी एलियन जीवन का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

राजधानी: वॉशिंगटन, D.C. **मुद्रा: US डॉलर**

नेपाल: एवरेस्ट मैन और माउंटेन क्वीन ने एक साथ बनाए नए रिकॉर्ड

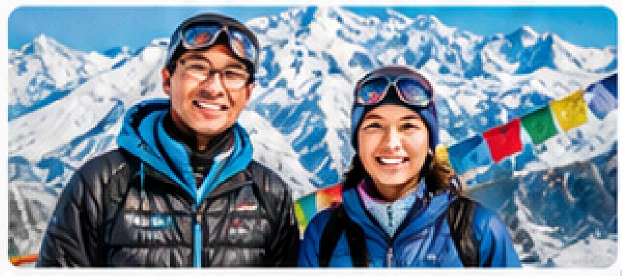

नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता शेरपा (Everest Man) ने 31वीं बार माउंट एवरेस्ट फतह कर नया रिकॉर्ड बनाया है। वहीं, पासांग ल्हामु शेरपा (Mountain Queen) ने माउंट एवरेस्ट सहित 14 सबसे ऊँची चोटियों को सफलतापूर्वक फतह कर दुनिया की पहली महिला बनीं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। ये दोनों उपलब्धियाँ पर्वतारोहण के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होंगी।

राजधानी: काठमांडू **मुद्रा: नेपाली रूपया**

जापान: वैज्ञानिकों ने खोजी परिवार के इतिहास की नई कड़ी

जापान के वैज्ञानिकों ने DNA अनुसंधान के माध्यम से 2,000 वर्ष पुराने मानव अवशेषों का अध्ययन किया। इससे पता चला कि आज के जापानी लोगों की जड़ें प्राचीन 'जॉमोन' और 'यायोई' समुदायों से जुड़ी हैं। यह शोध मानव इतिहास, प्रवास और संस्कृति के विकास को समझने में मदद करेगा।

राजधानी: टोक्यो **मुद्रा: येन**

इटली: प्रधानमंत्री मोदी को FAO कृषि नेतृत्व सम्मान

इटली की राजधानी रोम में आयोजित FAO (Food and Agriculture Organization) कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'FAO कृषि नेतृत्व सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान किसानों के कल्याण, खाद्य सुरक्षा और सतत कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए दिया गया। भारत की पहल जैसे 'मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट' की सराहना की गई।

राजधानी: रोम **मुद्रा: यूरो**

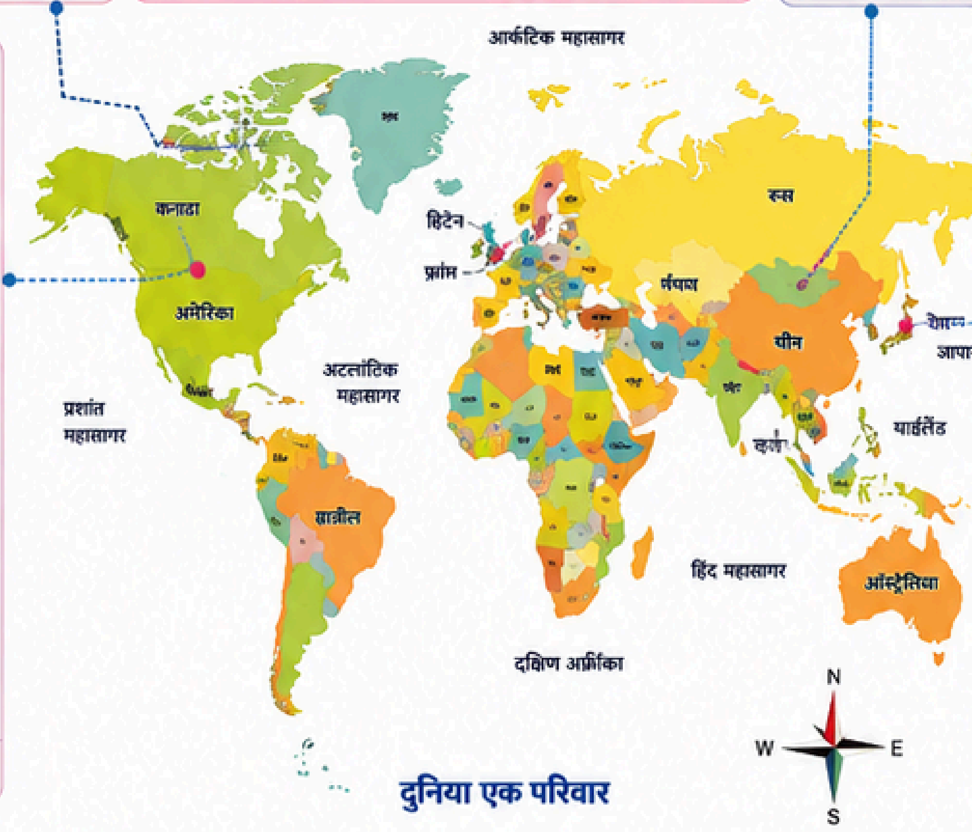

थाईलैंड: दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा डायनासोर मिला

थाईलैंड के खोप केन प्रांत में वैज्ञानिकों ने एक नई डायनासोर प्रजाति की खोज की है, जिसका नाम 'सिरिंधॉर्नैस खोनकेनसिस' रखा गया है। यह लगभग 15 मीटर लंबा और 10 टन वजनी डायनासोर था, जो लगभग 130 मिलियन वर्ष पहले धरती पर रहता था। यह दक्षिण-पूर्व एशिया का अब तक का सबसे बड़ा डायनासोर है।

राजधानी: बैंकॉक **मुद्रा: बहत**

चीन: USA और चीन के बीच व्यापार वार्ता नई दिशा में

मई 2026 में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में उच्च स्तरीय व्यापार वार्ता हुई। दोनों देशों ने तकनीक, टैरिफ और सप्लाई चेन पर सहमति बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम बढ़ाए। इससे वैश्विक बाजारों में स्थिरता और सहयोग की उम्मीद बढ़ी है।

राजधानी: बीजिंग **मुद्रा: युआन**

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य: इबोला प्रकोप पर वैश्विक आपातकाल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस के प्रकोप को 'वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया है। इस वर्ष अब तक 14,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। WHO ने टीकाकरण, इलाज और जागरूकता अभियान तेज करने की अपील की है।

राजधानी: किनशासा **मुद्रा: कांगो फ्रैंक**

WHO: नई पहल – स्वस्थ जीवन, सुरक्षित कल

WHO ने 'Healthy for All' नाम से नई वैश्विक पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य 2030 तक दुनिया भर में गैर-संचारी रोगों (डायबिटीज, हार्ट डिजीज, कैंसर) को कम करना और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत 100 से अधिक देश मिलकर काम करेंगे।

मुख्यालय: जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड

Power Words (शब्द शक्ति)

- **Releases** (जारी करना) – प्रकाशित करना
- **Records** (रिकॉर्ड) – नया कीर्तिमान बनाना
- **Research** (अनुसंधान) – गहन अध्ययन
- **Discover** (खोज करना) – नई चीज पता लगाना
- **Emergency** (आपातकाल) – अत्यावश्यक स्थिति
- **Cooperation** (सहयोग) – मिलकर काम करना

सोचो और लिखो

1. UFO फाइल्स जारी करने का उद्देश्य क्या है?
2. कामी रीता शेरपा की उपलब्धि क्या है?
3. थाईलैंड में मिली डायनासोर प्रजाति का नाम क्या है?
4. WHO की 'Healthy for All' पहल का लक्ष्य क्या है?
5. वैश्विक मुद्दों से निपटने में देशों का सहयोग क्यों जरूरी है?

वक्रशब्द (Crossword) : SN070

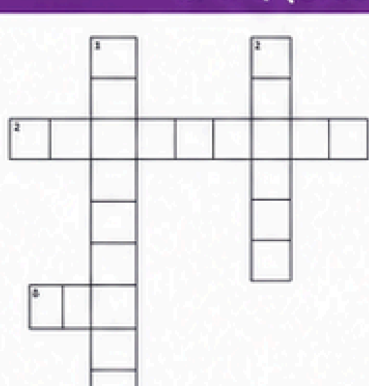

बाएँ से दाएँ

1. अमेरिका की राजधानी
3. FAO का मुख्यालय शहर
4. जापान की मुद्रा
6. नेपाल की सबसे ऊँची चोटी

ऊपर से नीचे

1. थाईलैंड की राजधानी
2. इबोला प्रकोप से प्रभावित देश
5. WHO का मुख्यालय शहर

संकेत: सभी उत्तर इस पृष्ठ के समाचारों में छिपे हैं।

वर्कशीट गतिविधि : WS070

1. पर्वतारोहण खेल से हमें क्या सीख मिलती है?
2. FAO जैसे संगठन किसानों की मदद कैसे करते हैं?
3. वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने का क्या महत्व है?
4. आप अपने स्कूल में स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए क्या कर सकते हैं?

भारत का पहला ऑर्बिटल डेटा सेंटर उपग्रह PIXEX लॉन्च

क्या है ऑर्बिटल डेटा सेंटर?

ऑर्बिटल डेटा सेंटर ऐसे डेटा सेंटर होते हैं जो पृथ्वी की कक्षा (Orbit) में उपग्रह के रूप में काम करते हैं। यह डेटा को प्रोसेस और स्टोर करते हैं और पृथ्वी पर भेजते हैं। PIXEX भारत का पहला ऐसा उपग्रह है जो AI की सहायता से तुरंत डेटा प्रोसेस करेगा।

क्यों है इसकी ज़रूरत?

- तेज और कम लेटेंसी (कम समय में जवाब)
- आपदा, युद्ध या नेटवर्क फेल होने पर भी डेटा सुरक्षित
- दूर-दराज के क्षेत्रों (पहाड़ी, समुद्री, रेगिस्तान) में इंटरनेट सेवाएं बेहतर
- भारत के लिए सुरक्षित और स्वदेशी तकनीक
- स्पेस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम

क्या रुकावटें आ सकती हैं?

- महंगी लागत और जटिल तकनीक
- अंतरिक्ष में मरम्मत करना मुश्किल
- हैकिंग और साइबर हमलों का खतरा
- अंतरराष्ट्रीय नियमों और स्पेस ट्रेफिक की चुनौती

भारत के लिए फायदे

- सुरक्षित डेटा और गोपनीयता में वृद्धि
- AI और क्लाउड सेवाओं में क्रांति
- शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और कृषि में बड़ा लाभ
- युवाओं के लिए नए स्टार्टअप और रोजगार के अवसर

क्या रुकावटें आईं?

इस मिशन को बनाने में तापमान, विकिरण (रेडिएशन), स्पेस जंक और पावर मैनेजमेंट जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने हर समस्या का सफल समाधान निकाला।

भविष्य की राह

आने वाले समय में भारत और अधिक ऐसे सेटेलाइट लॉन्च करेगा जो दुनिया भर को तेज, सुरक्षित और स्मार्ट कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे।

पावर वर्ड्स

Orbit (कक्षा)	–	पृथ्वी के चारों ओर निश्चित पथ।
Latency (लेटेंसी)	–	प्रतिक्रिया मिलने में लगने वाला समय।
AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)	–	मशीनों द्वारा सीखना और निर्णय लेना।
Satellite (उपग्रह)	–	पृथ्वी की कक्षा में घूमने वाला यंत्र।
Secure (सुरक्षित)	–	सुरक्षित, भरोसेमंद और जोखिम रहित।

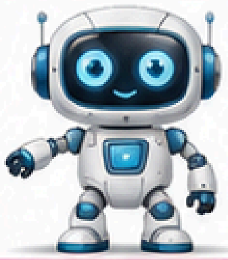

वर्कशीट : CS135

जादुई शब्द खोजें

(दिए गए संकेतों के अनुसार क्रॉसवर्ड पूरा करें)

बाएं से दाएं

1. ऑर्बिट में घूमने वाला यंत्र
2. रतिक्रिया समय को कम करना
3. डेटा को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया

ऊपर से नीचे

4. मशीन द्वारा की जाने वाली बुद्धिमत्ता
5. उपग्रह से मिलने वाला इंटरनेट
6. पृथ्वी की कक्षा

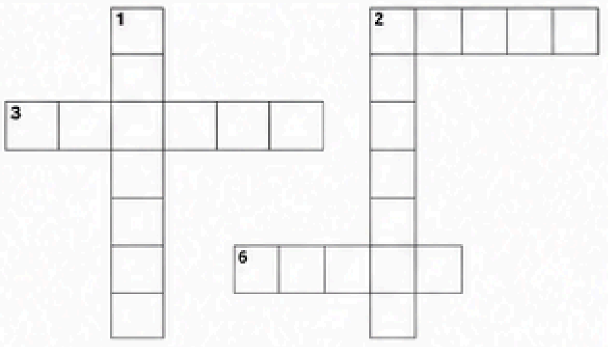

संकेत: सभी उत्तर कंप्यूटर/टेक्नोलॉजी से संबंधित हैं।

साइबर सुरक्षा: बढ़ते खतरे और बचाव के स्मार्ट तरीके

आज के डिजिटल युग में हैकिंग, फिशिंग, मालवेयर और रैंसमवेयर जैसे साइबर हमले तेजी से बढ़ रहे हैं। साइबर सुरक्षा के बिना हमारा डेटा, बैंकिंग, पहचान और गोपनीय जानकारी खतरे में पड़ सकती हैं।

सुरक्षित रहने के उपाय

- मजबूत पासवर्ड बनाएं और नियमित बदलें।
- दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (2FA) का उपयोग करें।
- संदिग्ध ईमेल/लिंक पर क्लिक न करें।
- एंटीवायरस और फायरवॉल हमेशा अपडेट रखें।
- अपनी व्यक्गिता जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर न करें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के फायदे

शिक्षा
व्यक्तिगत सीखने का अनुभव

स्वास्थ्य
बीमारियों की जल्दी पहचान

कृषि
सही समय पर खेती की सलाह

उद्योग
उत्पादन बढ़ाना, लागत कम करना

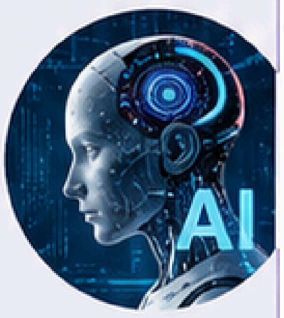

क्वांटम कंप्यूटिंग: भविष्य की शक्ति

क्वांटम कंप्यूटिंग एक उभरती हुई तकनीक है जो बहुत तेज गति से जटिल समस्याओं का हल कर सकती है। यह दवाइयों की खोज, जलवायु अध्ययन, क्रिप्टोग्राफी और नई सामग्री विकास में क्रांति ला सकती हैं।

क्या आप जानते हैं?

- भारत ने 2023 में अपना पहला क्वांटम कंप्यूटर "QpiAI-Indus" विकसित किया हैं।
- भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है जो क्वांटम तकनीक पर काम कर रहे हैं।
- ISRO और IN-SPACe मिलकर स्पेस इंटरनेट नेटवर्क (Bharat Net) पर काम कर रहे हैं।

वर्कशीट : CS136

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें

1. ऑर्बिटल डेटा सेंटर क्या होता है?
2. PIXEX उपग्रह के क्या-क्या फायदे हैं?
3. साइबर सुरक्षा के लिए आप कौन-कौन से उपाय अपनाएंगे?
4. AI हमारे जीवन को किस प्रकार बेहतर बना रहा है?

1. राष्ट्रीय खेल दिवस

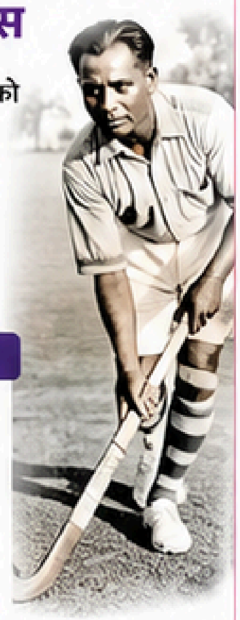

भारत में प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है।

मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियां

- जन्म : 29 अगस्त 1905
- भारत को 1928, 1932 एवं 1936 ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाने में महत्त्वपूर्ण योगदान।
- विश्व हॉकी इतिहास के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिने जाते है।
- उनके सम्मान में भारत सरकार ने 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस घोषित किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस का उद्देश्य

- युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना।
- स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देना।
- खेल प्रतिभाओं को पहचान और सम्मान देना।
- खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का विकास करना।

2. बिहार खेलों में रच रहा नई पहचान

- अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित प्रथम वर्ल्ड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन :

- भारतीय अंडर 18 पुरुष हॉकी टीम ने जापान के काकामिगाहारा में आयोजित U-18 एशिया कप 2026 के फाइनल में जापान को 4-1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक सफलता में बिहार के लाल सावन कुमार की भूमिका विशेष रूप से गौरवपूर्ण रही। गोलकीपर के रूप में उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

- कॉमनवेल्थ यूथ चेस चैंपियनशिप 2026 में दो स्वर्ण पदक एवं एक कांस्य पदक जीतकर बिहार का नाम रोशन किया रेयान मोहम्मद ने।

- 22वीं जुनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप हांगकांग में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पीयूष राज ने बिहार का नाम उंचा किया।

खेल और सरकार की योजनाएं

एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र

बिहार राज्य में सरकार द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बच्चों को मुफ्त कोचिंग और आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इन केंद्रों का संचालन विभिन्न खेलों हेतु अलग-अलग जिलों में किया जाता है।

विशेषताएं

1. मुफ्त खेल प्रशिक्षण
2. आवासीय सुविधाएं
3. खेल हेतु उपकरण
4. प्रतियोगिता हेतु विशेष तैयारी

बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना

यह योजना टेन स्तरों में खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ताकि वे अपनी ट्रेनिंग, डाइट और उपकरणों का खर्च उठा सकें।

- **प्रेरणा** – जमीनी और जिला स्तर पर खिलाड़ियों के लिए प्रतिवर्ष 3 लाख तक की मदद।
- **उत्कर्ष** – अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए 20 लाख तक की सालाना मदद।

मेडल लाओ-नौकरी पाओ योजना

"बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ी प्रत्यक्ष नियुक्ति नियम" के तहत राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं (जैसे ओलंपिक, एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ) में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे पुलिस विभाग और अन्य सरकारी विभागों में राजपत्रित अधिकारी के पद पर नियुक्ति किया जाता है।

प्रतियोगिता

SGFI (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया)

यह भारत में स्कूली छात्रों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने वाली सर्वोच्च संस्था है।

कैसे होता है चयन

विद्यालय स्तर → जिला स्तर → राज्य स्तर → राष्ट्र स्तर

कौन होते हैं पात्र?

किसी भी सरकारी या निजी विद्यालय के छात्र एवं छात्रा जो 6वीं से 12वीं में नियमित छात्र हैं।

आयु वर्ग

- U-14 (14 वर्ष से कम) बालक / बालिका
- U-17 (17 वर्ष से कम) बालक / बालिका
- U-19 (19 वर्ष से कम) बालक / बालिका

कैसे करें आवेदन

विद्यालय स्तर पर खेल शिक्षक / प्रधानाध्यापक से संपर्क कर आवेदन किया जा सकता है।

तिथि: अगस्त / सितंबर (अनुमानित)

खेल और टेक्नोलॉजी

- AI आधारित परफॉर्मेंस एनालिसिस
- स्मार्ट वियरेबल्स से फिटनेस ट्रैकिंग
- वीडियो एनालिसिस से तकनीक में सुधार
- वर्चुअल ट्रेनिंग और सिमुलेशन
- डेटा एनालिटिक्स से रणनीति बेहतर

प्रेरणा

निशानेबाजी की चैंपियन से बिहार की खेल मंत्री तक: श्रेयसी सिंह की प्रेरक यात्रा

श्रेयसी सिंह बिहार की उन चुनिंदा हस्तियों में हैं जिन्होंने खेल और राजनीति दोनों क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज से बिहार की खेल मंत्री बनने तक का यह सफर युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

प्रारंभिक जीवन: 29 अगस्त 1991 को जन्म, गिद्धौर (जमुई), बिहार

पिता: स्व. दिग्विजय सिंह (पुर्व केंद्रीय मंत्री)

माता: पुतुल कुमार (पुर्व सांसद)

खेल जगत में उपलब्धियां

- ★ 2014 राष्ट्रमंडल खेल (ग्लासगो) – डबल ट्रैप में रजत पदक
- ★ 2014 एशियाई खेल – कांस्य पदक
- ★ 2018 राष्ट्रमंडल खेल (गोल्ड कोस्ट) – स्वर्ण पदक
- ★ अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित
- ★ 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व

राजनीति में प्रवेश

- ★ वर्ष 2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई।
- ★ जमुई विधानमना क्षेत्र से चुनाव जीतकर विधायक बनीं।

खेल मंत्री बनने तक

- ★ नवंबर 2025 में उन्हें बिहार सरकार में खेल मंत्री का दायित्व सौपा गया।
- ★ खेल अवसंरचना, खिलाड़ियों की सुविधाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

POWER WORDS (शब्द शक्ति)

- **Achievement** (उपलब्धि) – बड़ी सफलता
- **Inspiration** (प्रेरणा) – आगे बढ़ने की शक्ति
- **Discipline** (अनुशासन) – नियमों का पालन
- **Dedication** (समर्पण) – लक्ष्य के प्रति निष्ठा
- **Teamwork** (टीमवर्क) – मिलकर काम करना

सोचो और लिखो

1. राष्ट्रीय खेल दिवस क्यों मनाया जाता है?
2. मेजर ध्यानचंद को "हॉकी का जादूगर" क्यों कहा जाता है?
3. खेल हमें जीवन में क्या सीख देते हैं?
4. आपके अनुसार बिहार के खिलाड़ियों को और आगे बढ़ाने के लिए क्या किया जाना चाहिए?
5. आप कौन-सा खेल खेलते हैं और क्यों पसंद है?

वर्कशीट (Crossword) : CS137

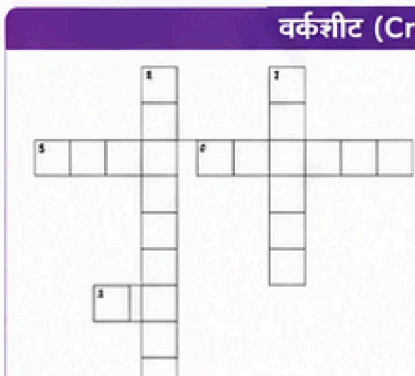

बाएँ से दाएँ

1. हॉकी के जादूगर का नाम
2. 2024 में भारत ने कहाँ ओलंपिक में भाग लिया?
3. SGFI का पुरा नाम
4. अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीतने वाला खिलाड़ी
5. खेल के लिए जरूरी गुण

ऊपर से नीचे

1. खेल से मिलता है – शरीर और यह (दो शब्द)
2. बिहार की खेल मंत्री (श्रेयसी ---)
3. ओलंपिक में भारत ने कितने साल में स्वर्ण पदक जीतो? (वर्ष)
4. खेल भावना का दूसरा नाम
5. U-18 एशिया कप किस खेल से संबंधित है?

संकेत: सभी उत्तर खेलों और पाठ में दिए गए तथ्यों से संबंधित हैं।

वर्कशीट : WS137

1. मेजर ध्यानचंद का जन्म कब हुआ?
2. राष्ट्रीय खेल दिवस किस तिथि को मनाया जाता है और क्यों?
3. बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना के दो स्तरों के नाम लिखिए।
4. SGFI में चयन की प्रक्रिया को क्रमबद्ध लिखिए।
5. श्रेयसी सिंह की दो खेल उपलब्धियां लिखिए।

विनीत कुमार शर्मा
M P E D (पंजाब विश्वविद्यालय)
शारीरिक शिक्षा शिक्षक
पीएम श्री हजारीलाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालिवन सागर

भारत का लक्ष्य : कोयले को उपयोगी गैस में बदलना

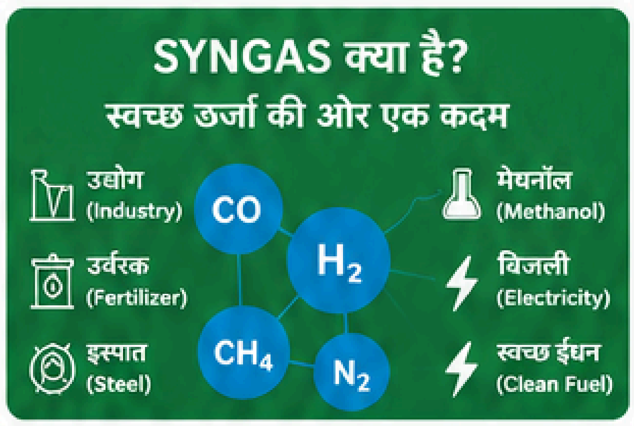

भारत में कोयले से गैस बनाने की योजना

भारत ने कोयले को एक विशेष प्रक्रिया से उपयोगी गैस (सिंथेटिक गैस – Syngas) में बदलने के लिए ₹37,500 करोड़ की कोल गैसीफिकेशन योजना को मंजूरी दी है। इससे देश को स्वच्छ ईंधन, उर्वरक, इस्पात और बिजली के उत्पादन में मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस योजना को स्वीकृति दी गई।

इससे आयातित तेल और गैस पर हमारी निर्भरता कम होगी तथा भारत की उर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

यह योजना क्यों महत्वपूर्ण है?

- भारत अनेक महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, जिनमें गैस, उर्वरक और रसायन प्रमुख हैं।
- कोयले से गैस बनाने की तकनीक से इन उत्पादों का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और आयात पर खर्च घटेगा।
- इससे किसानों को सस्ता उर्वरक, उद्योगों को कच्चा माल और घरों को स्वच्छ ईधन मिलेगा।
- यह पर्यावरण के लिए भी बेहतर है क्योंकि इसमें कम प्रदूषण होता है और यह स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम है।

योजना कैसे काम करेगी?

- यह योजना भारत की उर्जा और वितीय सुरक्षा को मजबूत करेगी।
- कोयले से गैस बनाने वाले संयंत्र स्थापित होंगे और कंपनियों को वितीय सहायता दी जाएगी।
- प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और अधिक से अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में काम करेंगी।
- यह परियोजनाएं अगले 10 वर्षों में पूरी की जाएंगी और देश में लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे।
- इससे आयातित गैस पर निर्भरता घटेगी और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को बल मिलेगा।

चिंताएं

कुछ पर्यावरणविद इस योजना को लेकर चिंतित हैं। उनका कहना है कि कोयला आधारित परियोजनाओं से प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन बढ़ सकता है।

इसलिए सरकार ने आश्वासन दिया है कि आधुनिक और पर्यावरण–अनुकूल तकनीक का उपयोग किया जाएगा तथा प्रदूषण को न्यूनतम रखने के लिए कड़े नियम लागू किए जाएंगे।

कोल गैसीफिकेशन क्या है?

इस प्रक्रिया में, कोयले को बहुत उच्च तापमान और सीमित ऑक्सीजन की मौजूदगी में गैसमित कर (Syngas) में बदला जाता है। यह गैस मुख्य रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) और हाइड्रोजन (H_2) से बनी होती है।

इस गैस का उपयोग उर्वरक, इस्पात, ईंधन, रसायन उत्पादन और विजली बनाने में किया जा सकता है।

भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है, इसलिए यह तकनीक हमारे लिए बहुत फायदेमंद सिद्ध होगी।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे भारत आने वाले वर्षों में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है।

कोल गैसीफिकेशन की प्रक्रिया

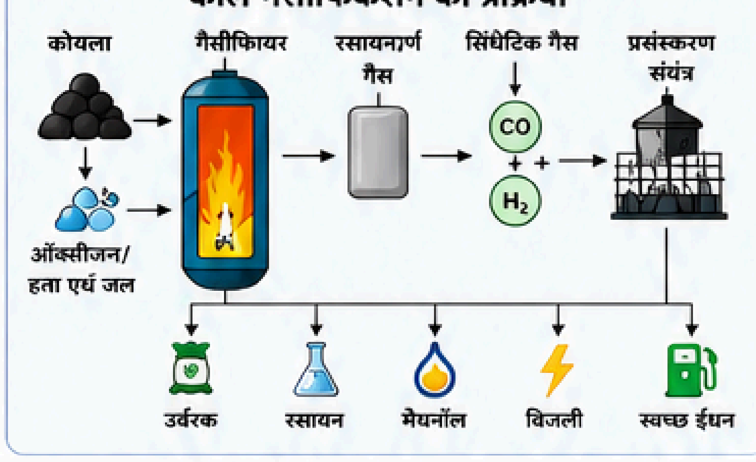

POWER WORDS (शब्द शक्ति)

Import (आयात) – दूसरे देश से मंगाना
Synthetic Gas (सिंथेटिक गैस) – कृत्रिम गैस
Gasification (गैसीफिकेशन) – गैस में बदलना
Fertilizer (उर्वरक) – खाद
Emission (उत्सर्जन) – धुआं / प्रदूषण फैलाना

WORKSHEET : MM134

दिए गए शब्दों को सही क्रम में लिखें और अर्थ जानें –

1. SYNGAS
2. FERTILIZER
3. IMPORT
4. EMISSION
5. METHANOL

प्रधानमंत्री मोदी ने क्यों कहा – पैसा सोच-समझकर खर्च करें?

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक सार्वजनिक भाषण में लोगों से अपील की कि वे अपने कमाई को सोच–समझकर खर्च करें। उन्होंने कहा कि यदि हम शादी, त्योहारों और दिखावें पर अनावश्यक खर्च कम करें, तो यह पैसा देश की बचत और निवेश में काम आएगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और हर किसी का भविष्य सुरक्षित होगा।

और क्या सुझाव दिए?

- शादी और त्योहारों में फिजूलखर्ची से बचें।
- दिखावे की वस्तुओं की जगह बचत और निवेश करें।
- बचत को बैंक, पोस्ट ऑफिस या योजनाओं में लगाएँ।
- देश का धन देश में ही रहे तो विकास तेज होगा।

क्यों जरूरी है?

- भारत को विकास के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता है।
- यदि हम बचत बढ़ाएँगे तो देश की समृद्धि बढ़ेगी।
- इससे रोजगार बढ़ेंगे और हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।
- छोटी–छोटी बचत से बड़ा परिवर्तन संभव है।

कम खर्च करें, ज्यादा बचत करें

Spend Less, Save More

- फिजूलखर्ची कम करें
- जरूरत पर खर्च करें
- बचत की आदत डालें
- भविष्य के लिए निवेश करें
- देश की समृद्धि में योगदान दें

छोटी बचत – बड़ा बदलाव
आपकी बचत, देश की तरक्की!

विदेशी मुद्रा भंडार क्या है?

जब हम आवश्यक सोगे विदेश से खरीदते हैं, तो इसके लिए हमें डॉलर खर्च करने पड़ते है। यदि हम देश में बनी वस्तुएं खरीदें और बचत करें, तो हमारे विदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Reserves) मजबूत होंगे। यह देश की आर्थिक शक्ति बढ़ाता है।

सोचें – कम खर्च करें, बेहतर भविष्य बनाएं

- ✓ कम खर्च
- ✓ ज्यादा बचत
- ✓ सुरक्षित भविष्य
- ✓ मजबूत भारत

सोचें और समझें

- क्या हम अपनी कमाई का सही उपयोग कर रहे हैं?
- क्या दिखावे पर खर्च करना सही है?
- क्या हमें बचत और निवेश की आदत अपनानी चाहिए?

वर्कशीट (Crossword) : SN134

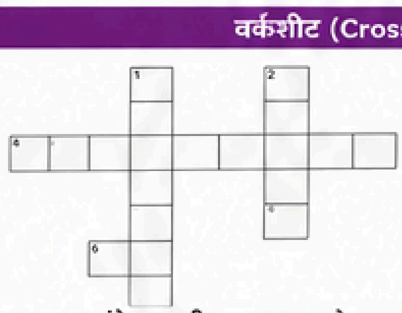

बाएँ से दाएँ
1. कोयले को गैस में बदलने की प्रक्रिया
2. उर्वरक बनाने में उपयोग होने वाली गैस
3. दूसरे देश से मंगाना
4. धुआँ या प्रदूषण फैलाना
5. गैस से बनने वाला ईंधन

ऊपर से नीचे
1. स्वच्छ ईंधन का एक उदाहरण
2. कोयले से बनने वाली गैस

संकेत: सभी उत्तर इस पृष्ठ के समाचारों में छोपे हैं।

वर्कशीट : WS134

1. कोल गैसीफिकेशन योजना से क्या लाभ होगा?
2. SYNGAS का उपयोग किन–किन क्षेत्रों में होता है?
3. प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से क्या अपील की?
4. फिजूलखर्ची कम करने से देश को कैसे लाभ होगा?
5. विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होने से क्या फायदे होते हैं?

प्रश्न 1. भारत के तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक कौन हैं?

a) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
b) डॉ. होमी जहाँगीर भाभा
c) डॉ. विक्रम साराभाई
d) डॉ. सी.वी. रमन

प्रश्न 2. प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR) कहाँ स्थापित किया गया है?

a) तारापुर
b) कल्पक्कम
c) काकरापार
d) नरौरा

प्रश्न 3. PFBR का मुख्य उद्देश्य क्या है?

a) कोयले से बिजली बनाना
b) परमाणु ईंधन का बेहतर उपयोग करना
c) गैस उत्पादन
d) जलविद्युत उत्पादन

प्रश्न 4. Qdenga किस बीमारी से बचाव का टीका है?

a) मलेरिया
b) डेंगू
c) चिकनगुनिया
d) टाइफाइड

प्रश्न 5. डेंगू फैलाने वाला मच्छर कौन-सा है?

a) एनोफिलीज
b) क्यूलेक्स
c) एडीज एजिप्टी
d) सैंड फ्लाई

प्रश्न 6. वैज्ञानिकों द्वारा विकसित जैविक पेसमेकर किससे तैयार किया गया?

a) प्लास्टिक
b) स्टेम सेल
c) सिलिकॉन
d) एल्यूमिनियम

प्रश्न 7. हृदय का प्राकृतिक पेसमेकर क्या कहलाता है?

a) एट्रियम
b) साइनो-एट्रियल (SA) नोड
c) वेंट्रिकल
d) एओर्टा

प्रश्न 8. भारत की पहली डिजिटल जनगणना किस वर्ष आयोजित की जाएगी?

a) 2025
b) 2026
c) 2027
d) 2028

प्रप्रश्न 9. जनगणना में स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा को क्या कहते हैं?

a) डिजिटल रजिस्ट्रेशन
b) सेल्फ एन्यूमरेशन
c) स्मार्ट सर्वे
d) ई-सर्वे

प्रश्न 10. Whitley Award को किस नाम से जाना जाता है?

a) ब्लू ऑस्कर
b) ग्रीन ऑस्कर
c) गोल्डन अवार्ड
d) अर्थ मेडल

प्रश्न 11. स्पर्म व्हेल मुख्य रूप से किस माध्यम से संवाद करती है?

a) प्रकाश
b) क्लिक ध्वनियाँ
c) रंग बदलकर
d) गंध द्वारा

प्रश्न 12. Project CETI का उद्देश्य क्या है?

a) समुद्र की सफाई
b) व्हेल की भाषा को समझना
c) नई पनडुब्बी बनाना
d) समुद्री पर्यटन बढ़ाना

प्रश्न 13. राष्ट्रीय खेल दिवस कब मनाया जाता है?

a) 15 अगस्त
b) 29 अगस्त
c) 2 अक्टूबर
d) 26 जनवरी

प्रश्न 14. राष्ट्रीय खेल दिवस किस महान खिलाड़ी की जयंती पर मनाया जाता है?

a) मिल्खा सिंह
b) मेजर ध्यानचंद
c) पी.टी. ऊषा
d) अभिनव बिंद्रा

प्रश्न 15. बिहार के खिलाड़ियों को निःशुल्क खेल प्रशिक्षण देने के लिए कौन-सी योजना संचालित है?

a) खेलो इंडिया
b) एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र
c) फिट इंडिया
d) युवा शक्ति योजना

प्रश्न 16. "मेडल लाओ-नौकरी पाओ" योजना किस राज्य से संबंधित है?

a) उत्तर प्रदेश
b) बिहार
c) झारखंड
d) मध्य प्रदेश

श्प्रश्न 17. श्रेयसी सिंह किस खेल से संबंधित हैं?

a) हॉकी
b) शूटिंग
c) एथलेटिक्स
d) बॉक्सिंग

प्रश्न 18. ISEF प्रतियोगिता मुख्य रूप से किस क्षेत्र से संबंधित है?

a) खेल
b) विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
c) साहित्य
d) संगीत

प्रश्न 19. Aqua Flux परियोजना का उद्देश्य क्या है?

a) ऊर्जा उत्पादन
b) जल को स्वच्छ बनाना
c) रोबोट बनाना
d) खेती करना

प्रश्न 20. EcoFog परियोजना किससे जुड़ी है?

a) वर्षा मापन
b) कोहरे से जल संग्रह
c) वायु प्रदूषण
d) बिजली उत्पादन

प्रश्न 21. STEM शिक्षा का मुख्य उद्देश्य क्या है?

a) केवल गणित पढ़ाना
b) विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित का समन्वय
c) केवल कंप्यूटर शिक्षा
d) केवल रोबोटिक्स

प्रश्न 22. साइबर सुरक्षा का सबसे अच्छा तरीका क्या है?

a) एक ही पासवर्ड रखना
b) मजबूत पासवर्ड और Two-Factor Authentication
c) पासवर्ड साझा करना
d) पासवर्ड लिखकर रखना

प्रश्न 23. Coal Gasification का मुख्य उद्देश्य क्या है?

a) कोयले से गैस बनाना
b) कोयले का निर्यात
c) बिजली बचाना
d) जल संरक्षण

प्रश्न 24. भारत की समृद्ध जनजातीय चित्रकला कौन-सी है?

a) मधुबनी
b) गोंड
c) वारली
d) उपरोक्त सभी

प्रश्न 25. GI Tag किससे संबंधित है?

a) खेल
b) भौगोलिक पहचान
c) स्वास्थ्य
d) बैंकिंग

प्रश्न 26. भारतीय स्किमर किस प्रकार का जीव है?

a) स्तनधारी
b) पक्षी
c) सरीसृप
d) मछली

प्रश्न 27. स्पर्म व्हेल लगभग कितनी गहराई तक गोता लगा सकती है?

a) 500 मीटर
b) 1000 मीटर
c) 2000 मीटर
d) 3000 मीटर

प्रश्न 28. कंप्यूटर में AI का पूरा नाम क्या है?

a) Automated Intelligence
b) Artificial Intelligence
c) Advanced Internet
d) Artificial Internet

प्रश्न 29. साइबर अपराध से बचने के लिए क्या नहीं करना चाहिए?

a) OTP साझा करना
b) मजबूत पासवर्ड रखना
c) एंटीवायरस का उपयोग करना
d) संदिग्ध लिंक से बचना

प्रश्न 30. भारत में विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी विद्यालयी खेल संस्था कौन-सी है?

a) BCCI
b) SGFI
c) IOA
d) SAI

Name : .... Class : .... School Name : .... Mobile : ....

1.	A	B	C	D	9.	A	B	C	D	17.	A	B	C	D	25.	A	B	C	D
2.	A	B	C	D	10.	A	B	C	D	18.	A	B	C	D	26.	A	B	C	D
3.	A	B	C	D	11.	A	B	C	D	19.	A	B	C	D	27.	A	B	C	D
4.	A	B	C	D	12.	A	B	C	D	20.	A	B	C	D	28.	A	B	C	D
5.	A	B	C	D	13.	A	B	C	D	21.	A	B	C	D	29.	A	B	C	D
6.	A	B	C	D	14.	A	B	C	D	22.	A	B	C	D	30.	A	B	C	D
7.	A	B	C	D	15.	A	B	C	D	23.	A	B	C	D					
8.	A	B	C	D	16.	A	B	C	D	24.	A	B	C	D					

📍 गोपालगंज एक नजर में

गोपालगंज बिहार के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित एक महत्वपूर्ण जिला है। इसकी स्थापना वर्ष 1973 में सारण जिले से अलग होकर हुई। यह जिला अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कृषि उत्पादन, शिक्षा और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा होने के कारण यह व्यापार और आवागमन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मुख्य जानकारी

- स्थापना : 2 अक्टूबर 1973
- प्रमंडल : सारण
- अनुमंडल : 2 (गोपालगंज सदर एवं हथुआ)
- प्रखंड : 14
- क्षेत्रफल : लगभग 2,033 वर्ग किलोमीटर
- मुख्यालय : गोपालगंज
- प्रमुख भाषाएँ : हिन्दी, भोजपुरी, उर्दू
- प्रमुख नदियाँ : गंडक, छोटी गंडक, झरही
- प्रमुख फसलें : धान, गेहूँ, मक्का, गन्ना, दलहन एवं सब्जियाँ
- प्रसिद्ध उद्योग : दुग्ध उत्पादन, कृषि आधारित उद्योग

🛕 घूमने योग्य प्रमुख स्थान

🌺 **थावे दुर्गा मंदिर**
गोपालगंज का सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल। प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु यहाँ माता थावेवाली के दर्शन के लिए आते हैं।

🏰 **हथुआ राजमहल**
ऐतिहासिक महत्व का भव्य महल जो हथुआ राजवंश की समृद्ध विरासत का प्रतीक है

🌊 **गंडक नदी तट**
प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर यह स्थान पर्यावरण एवं जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

🌿 **वृक्ष एवं हरित क्षेत्र**
गोपालगंज का ग्रामीण परिवेश, हरियाली और कृषि भूमि इसे बिहार के प्रमुख कृषि जिलों में स्थान दिलाती है।

🏛️ जिला प्रशासन

क्रमांक	पद	अधिकारी का नाम	ई-मेल
1	जिलाधिकारी (DM)	**श्री समीर सौरभ, IAS**	dm-gopalganj.bih@nic.in
2	पुलिस अधीक्षक (SP)	**श्री विनय तिवारी, IPS**	–
3	उप विकास आयुक्त (DDC)	**श्री गौरव कुमार, IAS**	ddc-gopalganj-bih@nic.in
4	अपर समाहर्ता (ADM)	**श्री राजेश्वरी पांडेय**	adm.gopalganj@bihar.gov.in
5	जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO)	**श्री अमरेंद्र कुमार पांडेय**	deogopalganj.edn@gmail.com
6	जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO)	**श्री शशि शेखरम**	dto-gopalganj-bih@nic.in
7	सिविल सर्जन (Civil Surgeon)	**डॉ. वीरेन्द्र प्रसाद**	cs-gopalganj-bih@nic.in
8	अनुमंडल पदाधिकारी, गोपालगंज सदर	**श्री अनिल कुमार**	sdogopalganj123@gmail.com
9	अनुमंडल पदाधिकारी, हथुआ	**श्री अभिषेक कुमार चंदन**	sdo1.hathua@gmail.com
10	जिला कृषि पदाधिकारी (DAO)	**श्री ललन कुमार सुमन**	dao-gop-bih@nic.in
11	जिला पंचायती राज पदाधिकारी (DPRO)	**श्री धर्मेन्द्र कुमार**	dpro-go-bih@nic.in
12	जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी (DIO, NIC)	**श्री रंजीत कुमार**	dio-gpg@nic.in

🎓 मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना (MNSSBY))

💼 बेरोजगार युवाओं के लिए आर्थिक सहायता

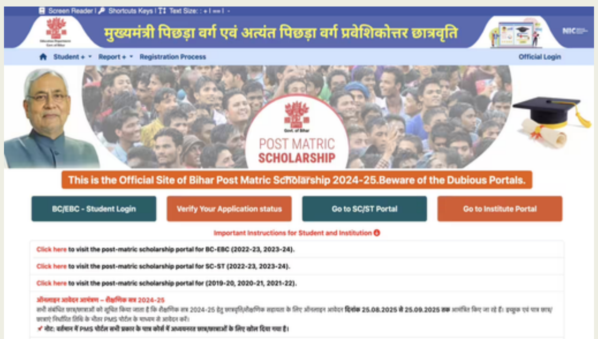

- ✨ **मुख्य बातें**
- बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी युवा कल्याण योजना।
- पात्र युवाओं को प्रति माह ₹1,000 की आर्थिक सहायता।
- सहायता राशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है।
- कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण का अवसर।
- रोजगार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा।
- 👨‍🎓 **पात्रता**
- बिहार का स्थायी निवासी।
- 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।
- बेरोजगार युवा।
- निर्धारित आयु एवं अन्य पात्रता शर्तें पूरी हों।
- 📝 **आवेदन कैसे करें?**
- DRCC (District Registration & Counselling Centre) में पंजीकरण करें।
- आवश्यक दस्तावेज जमा करें।
- ऑनलाइन आवेदन पूरा क

🎓 बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (BSCC)

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना बिहार सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत राज्य के पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए ₹4 लाख तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है, ताकि आर्थिक तंगी के कारण किसी छात्र की पढ़ाई न रुके।
- ✨ **मुख्य बातें**
- 🎓 उच्च शिक्षा के लिए ₹4 लाख तक का शिक्षा ऋण
- 🏦 कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा
- 💻 ट्यूशन फीस, पुस्तकें, लैपटॉप एवं अन्य शैक्षणिक खर्चों के लिए उपयोग
- 📚 तकनीकी, व्यावसायिक एवं सामान्य उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध
- 🌐 ऑनलाइन आवेदन की सुविधा (DRCC के माध्यम से)
- 👨‍🎓 **पात्रता**
- बिहार का स्थायी निवासी
- 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण
- मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थान में नामांकन
- निर्धारित आयु एवं अन्य पात्रता शर्तें पूरी हों
- 📝 **आवेदन कैसे करें?**
- DRCC में पंजीकरण करें।
- ऑनलाइन आवेदन भरें।
- आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।
- सत्यापन के बाद ऋण स्वीकृत किया जाता है।

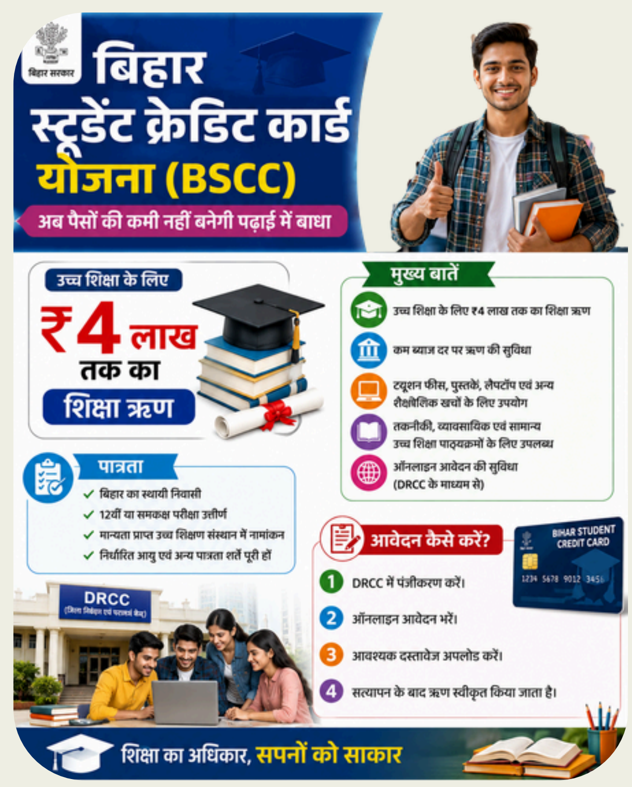

💻 कुशल युवा कार्यक्रम (Kushal Yuva Program - KYP)

- कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) बिहार सरकार के बिहार कौशल विकास मिशन (BSDM) के अंतर्गत संचालित एक निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार के लिए आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान, संचार कौशल और सॉफ्ट स्किल्स प्रदान करना है।
- ✨ **मुख्य बातें**
- 💻 240 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण
- 🖥️ बेसिक कंप्यूटर, हिन्दी/अंग्रेज़ी संचार एवं Soft Skills की पढ़ाई
- 📜 प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र
- 🎯 रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक
- 🏢 बिहार के अधिकृत Skill Development Centres में प्रशिक्षण उपलब्ध
- 👨‍🎓 **पात्रता**
- बिहार का स्थायी निवासी
- न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण
- सामान्य वर्ग के लिए आयु 15–28 वर्ष (आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट)
- 📝 आवेदन कैसे करें?
- DRCC या अधिकृत Skill Development Centre में पंजीकरण करें।
- ऑनलाइन आवेदन करें।
- दस्तावेज़ सत्यापन के बाद प्रशिक्षण प्रारम्भ किया जाता

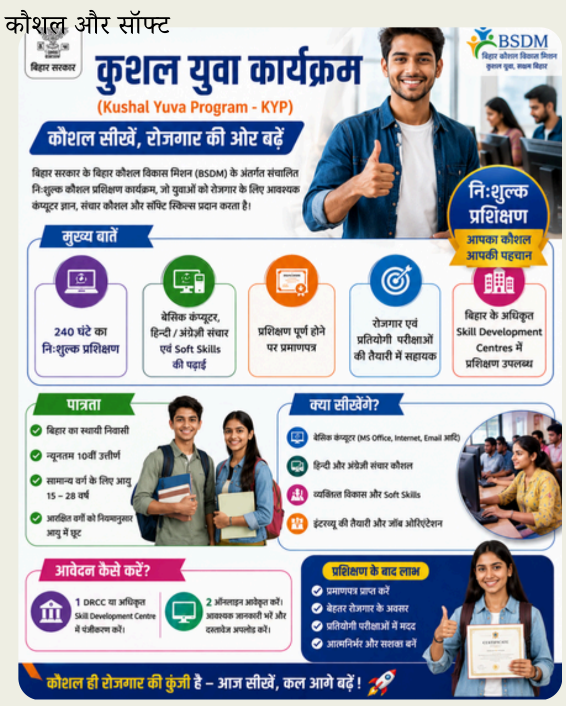

आपकी सोच से ही बदलती है शिक्षा की दिशा
हर विद्यार्थी, हर शिक्षक के भीतर एक नई सोच और एक नया विचार छुपा होता है।
जरूरत है उसे पहचानने और दुनिया तक पहुँचाने की।
“विद्यार्थी दर्पण” सिर्फ एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ
आपके अनुभव, आपके नवाचार और आपके प्रयासों को पहचान मिलती है।
आइए, सीखने के साथ साझा भी करें—
क्योंकि आपका एक विचार किसी और के भविष्य को नई राह दे सकता है।
सीखें, सोचें और बदलाव का हिस्सा बनें।
— टीम विद्यार्थी दर्पण

आपको यह अंक कैसा लगा? अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दे -
https://tinyurl.com/mr3rewhf

हमें सुझाव देने के लिए या हमसे संपर्क करने के लिए ईमेल करे -

Contact Us

districteducationgopalganj@gmail.com
teachersofbihar@gmail.com

https://edugopalganj.in/
www.teachersofbihar.org/vidyarthi-darpana

https://chat.whatsapp.com/F8If6P0wMeoKYDOBpSTPNb

Click or Scan

Social With Us

SCAN ME	SCAN ME	SCAN ME	SCAN ME	SCAN ME	SCAN ME
@deoofficegopalganj	@teachersofbihar	@deoofficegopalganj	@teachersofbihar	@deoofficegopalganj	@teachersofbihar